KUMAWAT PRAGATI TRUST

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

वर्ष-4 | अंक-6 जनवरी-2021 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

Happy Republic Day

भारतीय मूल की

कमला हैरिस

बनी अमेरिका की उप-राष्ट्रपति

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस

की

125 वीं जयन्ती पर

हार्दिक शुभकामनाएं।

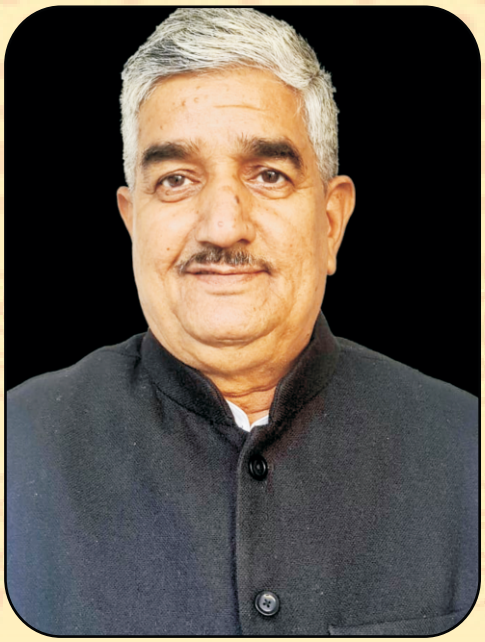

हमारे साहजी

श्री विमल कुमावत

(अनावडिया)

को भारतीय जनता पार्टी जयपुर
के उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर

हार्दिक शुभकामनाऐं

नारायण प्रसाद चेजारा

महेश कुमार चेजारा

शिवांश चेजारा

FARM:

- **SANJU ELECTRIC STORE SANITARY & HARDWARE**
- **MANOJ MARBLE**

Khariwad, Opp. Sagar Samrat, M.G. Road, Nani Daman • Ph.: 0260-2250478, 2254895
Mob.: 9974095478, 9898276478

MANOJ STEEL & PIPES

Plot No. 644, H.No. 841/3-C, Bhenslore Char Rasta, Nani Daman 396210 • Mob.: 9974095478, 9898276478

MOHAN MARRIAGE GARDEN

Palsana Road, Khandela (sikar)
Mob : 9974095478

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : 2806, खड़गटा भवन,गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	विनोद बालोदिया	**मो. 9829059312**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		मनोज सिरस्वा	**मो. 9414043127**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, श्रीमती भारती वर्मा सह-सम्पादक 9414810584, राजेन्द्र जूनवाल 9828139099, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, रोहित कुमावत (मोरवाल) 9887097092, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496 , चेतन बालोदिया 9414052736 एवं श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारगवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक हेमचन्द कुमावत (खड़गटा) द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं 2806, खड़गटा भवन, गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

संसार में हर व्यक्ति अपने जीवन में सुख-शांति चाहता है किंतु यह बहुत ही कम लोगों को नसीब हो पाती है। इसका कारण जानकर हम सुखी एवं संतुष्ट जीवन जी सकते हैं। इसके लिए हमें देश समाज व परिवार की स्थितियों, वातावरण व कार्यप्रणाली का विश्लेषण करना होगा।

परिवार देश की सबसे छोटी इकाई है। परिवारों की सुख-शांति ही मिलकर देश को खुशहाल बनाती है। आजकल परिवारों में जिस तेजी के साथ कंप्यूटर व इंटरनेट ने दैनिक दिनचर्या में स्थान बना कर बैठ गए है उसका 50 वर्ष पूर्व अनुमान लगा पाना भी संभव न था। आज शिक्षा व्यक्ति के विकास और सभ्य समाज की समृद्धि के लिए योगदान कर रही है। कोविड-19 के कारण विश्व में लगभग 1.2 बिलीयन (120 करोड़) विद्यार्थी और शिक्षक अपनी क्लास अटेंड नहीं कर पाये, परिणाम स्वरूप शिक्षा ऑनलाइन की ओर उन्मुख हुई है व शिक्षा का रूप डिजिटल हो गया है। लॉकडाउन में चल रही मुश्किल को शिक्षकों ने बच्चों को उनके घर पर ही ऑनलाइन पढ़ा कर आसान कर दिया है। बच्चों ने नई टेक्नोलॉजी के माध्यम से म्यूजिक, डांस, पेंटिंग आदि भी सीखा है।

ऑनलाइन एजुकेशन के दौरान पेरेंट्स ने बच्चों को इंटरनेट कनेक्शन के साथ लैपटॉप या मोबाइल दे दिए हैं। बच्चे इसका गलत उपयोग कर सकते हैं। क्लास के बहाने गेम खेलना या अन्य ऑनलाइन एक्टिविटीज में लग सकते हैं। इसमें अनगिनत साइट खोली जा सकती है। **'इंटरनेट एडिक्शन'** के खतरे के साथ-साथ विद्यार्थियों और किशोरों में डिप्रेशन हो सकता है, टीनएजर्स अनजाने में गोपनीय बातें भी नेट पर शेयर कर लेते हैं। अनपेक्षित साइट हिंसा, अश्लीलता और नशा परोसती साइट निश्चित रूप से अल्प आयु वर्ग के बच्चों के बौद्धिक विकास को बाधित करती है। इन दुष्प्रभावों ने आज बच्चों के अभिभावकों को चिंता में डाल दिया है। बच्चें वही चुने जो उनके सकारात्मक विकास में सहायक हो। इंटरनेट पर कई तरह की फिल्टरिगं और लॉकिंग सिस्टम भी हैं जिनमें सुविधा होती है कि अनचाही और अनुपयोगी वेबसाइट सर्फ ही नहीं की जा सकें। इसके लिए आप 'इंटरनेट कंटेंट रेटिंग एसोसिएशन' का एक वेबसाइट रेटिंग सिस्टम है इसके लिए इंटरनेट एक्सप्लॉरर में 'टूल्स' मेनू में जाकर 'इंटरनेट ऑप्शन' चुनिए। उसमें 'कंटेंट' पर जाकर 'कंटेंट एडवाइजर' सलेक्ट करें, फिर इनेबल पर क्लिक करें और रेटिंग्स विकल्प का उपयोग कर आप जिस विषय से संबंधित साइट चाहते हैं उसकी सूची देख सकते हैं इसके अलावा कई इंटरनेट फिल्टरिंग सॉफ्टवेयर है जो अनुपयोगी साइट को खोलने नहीं देते। फिल्टरिंग की सुविधा इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर भी प्रदान करते हैं इस तरह के टूल्स का एक उदाहरण एम एस एन प्रीमियम (MSN premium) है।

बच्चें अनुपयुक्त साइट न देखें इसके लिए जरूरी है कि परिवार के बड़े लोग निगरानी रखें बच्चों से संबंधित वेबसाइट और सर्च इंजन के बारे में जानकारी के लिए कई तरह के स्रोत हैं। WDWD उदाहरण के लिए MSN Kids सर्च पर जाकर विभिन्न विषयों से संबंधित साइट्स के बारे में जानकारी लेवे। बच्चों को नेट सर्फिंग करते हुए देख नहीं पाते तो वह ब्राउजिंग हिस्ट्री में जाकर बच्चों द्वारा सर्च की गई साइट के बारे में मालूम कर सकते हैं। इस संबंध में बच्चों के साथ बैठकर उन्हें समझाना चाहिए ।

बच्चों में अच्छा माहौल बनाकर उन्हें संस्कारित बनाएं ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो और परिवार में सुख-शांति भी बनी रहे।

'इंटरनेट एडिक्शन' की विकराल समस्या से अपने बच्चों को बचाये। नववर्ष में हमारी संस्कृति की रक्षा करते हुए अपने होनहारों, परिवार और समाज को सुदृढ़ बनाए और देश में सुख-शांति और समृद्धि फैलाएं।

-राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

यहां पर यह देखें

सम्पादकीय	3
विशिष्ट संरक्षक : श्री दामोदर लाल कुमावत	4
शिक्षिका शायरी कुमावत ने बांटे 11 हजार मास्क	4
कुमावत गौरव : श्री राजकुमार फौजी	5
श्री दिलीप चौधरी (कुमावत)	5
स्मृति शेष : श्री महादेव चोरासिया, दहमीकलां	6
श्री तोलाराम जलान्धरा कीर्तनकार का निधन	6
कुमावत युवा संगठन, मन्दसौर की बैठक सेजपुरिया गाव में सम्पन्न	7
जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता के लिए ग्रुप बनाया	7
16 फरवरी को सर्वसमाज सामुहिक विवाह सम्मेलन	7
भन्दे बालाजी में सामुहिक विवाह सम्मेलन	7
नीमच के पंकज कुमावत को लगा पहला कोरोना टीका	7
उदयपुर में प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न	8
रक्तदान शिविर-कुमावत क्षत्रिय नगर नवयुवक मंडल, उदयपुर	8
रामायण की प्रासंगिकता	9
कुरीतियों को त्यागने का संकल्प लिया समाज ने	9
टेस्ट, ट्रेस और ट्रीटमेंट मंत्र के बाद कोरोना वैक्सीन आयी	10
बाबू शोभाराम जी कुमावत कठूमरा : 107वाँ जन्मदिन	11
सुभाष चन्द्र बोस 125वीं जयन्ती वर्ष	12
हेमचंद खड़गटा 'कल से आज'	13
इमरजेंसी की बात करें, तो सत्तर का दशक याद आता है	14
बरकत नगर जयपुर कुमावत समाज की आमसभा आयोजित	14
चयन/नियुक्ति पर बधाई	15
उपलब्धियों पर बधाई	16
रोहन कुमावत ने राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता जीती	17
मोनिका कुमावत पोस्टमास्टर के पद पर चयनित	17
शिक्षक मुकेश कुमावत सम्मानित	17
दीपक कुमावत श्री माधोपुर आगार प्रबंधक नियुक्त	17
सम्मान समारोह की झलकियां	18
टीम चेतन धुंधारिया द्वारा नव वर्ष स्नेह मिलन का आयोजन	19
मुकेश वर्मा का स्वागत	19
अपना आर्थिक व्यवहार करे : संग कुमावत परिवार	20
महिला सशक्तिकरण : श्रीमती मीनू कुमावत	21
महिला सशक्तिकरण	22
स्वामी विवेकानन्द : जन्म दिवस 12 जनवरी	23
विशिष्ट संरक्षक	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
सूरत में कोरोना योद्धाओं का सम्मान	27
कुमावत समाज मुम्बई का आदिवासी अंचल में कार्यक्रम	27
वेटलिफ्टिंग में जयपुर के खिलाड़ियों ने जीतें पदक	27
श्रद्धांजलि : मुन्नालाल जी तोंदवाल	27
विज्ञापन : गणतंत्र दिवस बधाई	28
विज्ञापन : श्रद्धांजलि	29
विज्ञापन : बधाई राजेश कुमावत	30
विज्ञापन : बधाई खड़गटा-धुंधारिया जनमंगल ट्रस्ट	30

विशिष्ट संरक्षक

श्री दामोदर लाल कुमावत (जलान्दरा)

47, गोविन्दनगर, खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा,
जयपुर-302012
मो. : 8290677888

श्री दामोदर लाल कुमावत (जलान्दरा) पुत्र स्व. श्री नानूराम जी कुमावत बी.कॉम शिक्षा के बाद वर्ष 1986 से जेडीए में अपनी सेवाएं दे रहे हैं वर्तमान में जेडीए में उपायुक्त पद पर कार्यरत हैं। आपको बचपन से पुश्तैनी कार्य मूर्तिकला में रुचि रही है। आपका सौम्य स्वभाव है व सामाजिक कार्यों में अग्रणीय रहते हैं। इनकी पत्नी श्रीमती संतोष गृहणी है। इनके 3 पुत्रों में बड़े पंकज ने होटल मैनजमेंट की डिग्री UK से प्राप्त की है। वर्तमान में ऑनलाइन मार्केटिंग का कार्य कर रहा है। दूसरा पुत्र संजय (M.Tech.) गुजरात में MNC में कार्यरत है। तीसरा पुत्र राहुल कम्पनी सेकेट्री (फाइनल) कर रहा है। इनके परिवार में सुशील व शिक्षित पुत्र-वधु कविशा (MVA) व दिव्या (M.Com.) व दो पोते पूर्विक व ग्रन्थ हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके और आपके परिवार के उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

शिक्षिका शायरी कुमावत ने बांटे 11 हजार मास्क

चित्तौड़गढ़ के राशमी के किरखेड़ा स्कूल की शिक्षिका द्वारा कोरोना लॉकडाउन में 11 हजार मास्क के अलावा ग्लब्स एवं टोपी बनाकर नि:शुल्क वितरित किए। ये प्रतिदिन 100 मास्क तैयार करती थीं। इसमें आपकी छोटी बहन लक्ष्मी ने भी साथ दिया।

इन मास्कों की डिमाण्ड मानसिंह जी का खेड़ा आसीन्द, भीलवाड़ा के स्कूलों से भी आई तो आपने वहां भी अपने मास्क तैयार कर भिजवाये। इसके अतिरिक्त कोविड-19 से जागरूकता वाले पोस्टर बनवाकर गांव में नि:शुल्क वितरित किए, जरूरतमंद विद्यार्थियों को नि:शुल्क स्टेशनरी का वितरण किया, भामाशाहों के सहयोग से स्कूल के बगीचे को विकसित किया, स्कूल में किचन गार्डन तैयार किया तथा स्कूल के 15 वर्ष पुराने फर्नीचर पर स्वयं ने रंग-रोगन करके नया रूप दिया।

आपका यह कार्य अन्य शिक्षकों, नवयुवकों एवं समाज को प्रेरणा देगा।

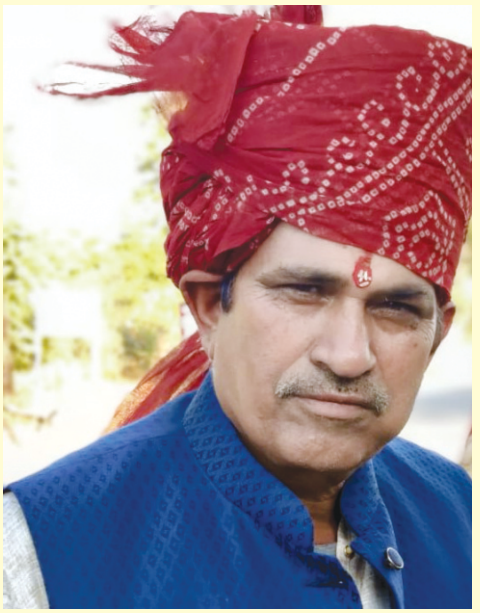

श्री राजकुमार फौजी

श्री राजकुमार कुमावत ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) एवं RAF में 21 वर्ष सेवा करके वर्ष 2009 में सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के पश्चात् आप समाजसेवा की ओर अग्रसर हुए। आप जगदम्बा नवयुवक मण्डल के संयोजक हैं, शिव बालाजी गौसेवा समिति नागौर के जिला संरक्षक एवं राजस्थान युवा शक्ति समाज से सम्बन्ध है।

वर्ष 1988 में आपने CRPF ज्वाइन की तथा पंजाब, नागालैण्ड, आसाम, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश व कश्मीर में आतंकवाद व नस्लवाद के खात्मे के लिए आपने सराहनीय सेवाएं की, इस कारण आपको RAF दिल्ली में राष्ट्रपति भवन, संसद भवन व जन्तर मंतर जैसे महत्वपूर्ण स्थलों पर ड्यूटी देने का अवसर मिला। आप CRPF से वर्ष 2009 में हैड कांस्टेबल के पद से सेवानिवृत्त हुए।

समाज सेवा- सामाजिक सरोकार में कुचामन के सोशियल ग्रुप 'अपना समाज कुचामन नावां-2018' अहम् भूमिका निभाता रहा है। ग्रुप ने अनेक अवसरों पर लोगों की मदद की है। हाल ही में जब श्री राजकुमार फौजी को ज्ञात हुआ कि गोविन्द राम नायक, कुचामन में मजदूरी करता है तथा उसकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त कमजोर है, जो कोरोना लॉकडाउन में और विकट हो गई, उसे अपने पुत्र-पुत्री की शादी करनी थी पर शादी खर्च की व्यवस्था नहीं है। अत: फौजी ने पहल करके सोशियल ग्रुप अपना समाज-2018, कुमावत नवयुवक मण्डल एवं जगदम्बा युवक मण्डल भोपा का बास के सहयोग से शादी में कु. भारती के लिए कपड़े, गहने, बर्तन, टेन्ट, भोजन इत्यादि की व्यवस्था कराकर सराहनीय कार्य किया।

लॉकडाउन के दौरान आपके प्रयास से 80 दिनों तक 1231 परिवारों को नि:शुल्क राशन किट, पक्षियों को दाना-पानी, गौ माताओं को चारें की व्यवस्था कराई। आपकी पहल व प्रयास से सितम्बर 2020 में स्व. नन्दलाल दुबलिया के परिवार जनों ने मृत्युभोज नहीं करके रक्तदान किया। इसके पश्चात् 33 परिवारों से 658 युनिट रक्त और संग्रहित करवाया। पुन: शिविर में 101 युनिट ब्लड संग्रहित हुआ।

लॉकडाउन के बाद नावांसिटी में कुमावत समाज सुधार समिति के द्वारा 14वाँ सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करवाकर 35 जोड़ों का विवाह कराने में आपने महत्ति भूमिका अदा की, इसमें सोशियल डिस्टेंसिंग व सुव्यवस्था की प्रशासन ने तारीफ की।

नवम्बर 2020 में पुलिस भर्ती प्रतियोगी परीक्षा में कुमावत समाज के अभ्यार्थी कुचामन आये, आपके प्रयास से उनके ठहरने, खाने-पीने व परीक्षा केन्द्रों तक छोड़ने की नि:शुल्क व्यवस्था समाज के स्तर करवायी।

पहले देश सेवा व अब समाज सेवा में अग्रणीय श्री राजकुमार फौजी को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से उनके भावी जीवन के लिए शुभकामना।

श्री दिलीप चौधरी (कुमावत)

साँवेर जिला इंदौर मध्यप्रदेश के दिलीप चौधरी (कुमावत) साँवेर नगर युवक कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक प्रतिनिधि रहे है। आप नगर परिषद साँवेर में एल्डरमैन के पद रहे। दूसरी बार फिर विधायक प्रतिनिधि बने। इसके बाद कांग्रेस पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष बने, नगर परिषद अध्यक्ष बने तथा उज्जैन से सांसद प्रतिनिधि बने। आपको मध्यप्रदेश खाद्य आपूर्ति निगम के उपाध्यक्ष बनाया गया। इनकी पत्नी भी नगर परिषद अध्यक्ष बनी जिनके प्रतिनिधि के रुप मे इनका कार्यकाल बहुत अच्छा था। इसके साथ साथ ये मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य भी रहे। वर्तमान में ये मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम जी सिलावट व साँवेर विधायक के प्रतिनिधि और साँवेर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि है। कोरोना काल मे इन्होंने अपने ओर से गरीब परिवार को राशन वितरण किया। ये हर वर्ष दिपावली पर्व पर गरीब परिवारों में मिठाई व पटाखे वितरण करते हैं। धार्मिक आयोजनों में ये बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं एवं हर समय समाज सेवा के लिए तैयार रहते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

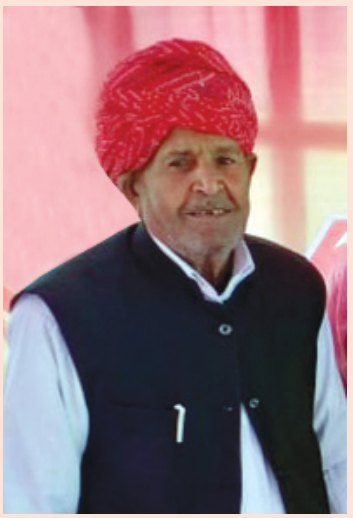

श्री महादेव चोरासिया, दहमीकलां

श्री महादेव चोरासिया का जन्म वर्ष 1938 में श्री सीताराम जी चोरासिया के परिवार में ग्राम दहमीकलां, बगरू में हुआ। आप प्रारम्भ से ही प्रतिभा के धनी थे एवं समाज सेवा करने की इच्छा आपके दिल में प्रारम्भ से ही थी। आप सामाजिक व राजनीतिक जीवन में 50 वर्ष तक सक्रिय रूप से कार्य करते रहे। इस दौरान आप वर्ष 1995 से 2000 तक ग्राम पंचायत दहमीकलां के सरपंच रहे। वर्ष 2002-2012 तक श्री बालाजी सेवा समिति मंदिर दहमीकलां बगरू, जयपुर के अध्यक्ष का पदभार संभाला। **आपके प्रयासों से दहमी बालाजी मंदिर में जन सहयोग व भामाशाहों के योगदान से लगभग 1 करोड़ रुपए के विकास कार्य हुए** जिससे आज मंदिर पूर्ण सुविधा सम्पन्न है व आकर्षक वास्तुकला का प्रतीक है। श्री क्षत्रिय कुमावत समाज कल्याण संस्थान दहमीकलां के संरक्षक के रूप में आपने वर्ष 2017-19 तक कार्य किया। तत्पश्चात् श्री क्षत्रिय कुमावत समाज कल्याण संस्थान (विवाह समिति) दहमीकलां, बगरू के अध्यक्ष का पदभार वर्ष 2019-21 तक संभाला। **आपके सघन प्रयासों से यहां 4 सामूहिक विवाह सम्मेलनों का सफल आयोजन हुआ।** ग्राम मानसिंहपुरा, बेगस में आपकी प्रेरणा एवं प्रयासों से भोमाज्या महाराज के मंदिर में भामाशाहों के माध्यम से 30 लाख रुपए से निर्माण कार्य सम्भव हुआ।

आप बहुमुंखी प्रतिभा के धनी थे। आप पूर्व शिक्षा मंत्री श्री घनश्याम तिवाड़ी के बेहद करीबी थे। आपका दिनांक 4.1.2021 को आकस्मिक निधन हो गया है। आप अपने पीछे तीन पुत्र छोड़कर गए हैं। आपके निधन पर सांसद रामचरण बोहरा एवं घनश्याम तिवाड़ी इत्यादि नेताओं ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की है। **'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से अध्यक्ष रमेश गैदर तथा ट्रस्टी सी.एम. कुमावत ने उनके निवास पर जाकर शोक व्यक्त किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की।**

आपके नेतृत्व में दहमीकलां, बगरू के कुमावत समाज ने चहुंमुखी प्रगति की है तथा आपने सरपंच के रूप में क्षेत्र के विकास में अपना अभूतपूर्व योगदान दिया है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाओं का आपके प्रयासों से संस्था ने सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया तथा सामुहिक विवाह सम्मेलन के द्वारा आपने समाज के लोगों का विवाह कराकर समाज को नई दिशा दी है। आपके निधन से कुमावत समाज को अपूर्णीय क्षति हुई है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका का समस्त परिवार आपको श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

-चेनसुख बड़ीवाल, मो. : 9929012957

श्री तोलाराम जलान्धरा कीर्तनकार का निधन

नाथद्वारा में श्रीनाथ जी के मंदिर के प्रमुख कीर्तनकार वयोवृद्ध श्री तोलाराम कुमावत जलान्धरा का 96 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप लम्बे समय से श्रीनाथजी की सेवा में अपनी सेवाएं दे रहे थे। श्रीनाथजी की सेवा में जो पद गाये जाते थे वे कीर्तनकारों के मुखिया के नेतृत्व में ही गाए जाते थे। इस प्रकार उनका यह पद बहुत ही महत्वपूर्ण था। आप कुछ समय से अस्वस्थ थे, आपके निधन से कुमावत समाज एवं मंदिर प्रशासन ने एक अच्छा कीर्तनकार एवं कलाकार खो दिया है। 'कुमावत इण्डिया' पत्रिका की ओर से इन्हें सादर श्रद्धांजलि।

उनियारा कुमावत समाज की बैठक आयोजित

श्री क्षत्रिय कुमावत ग्रामीण किसान समाज की बैठक सुभानपुरा भैंरों जी महाराज के मंदिर परिसर में आयोजित की गई। जिसमें सर्वश्री बद्री, रामप्रसाद प्रेमचंद सिरस्वा, बुद्धि प्रकाश किरोड़ीवाल, बनाजी गढ़वाल, मोहन किरोड़ीवाल, जोधराज छिनीवाल, रामलाल बैरा, शंकर लाल जूनवाल, मोहन, सत्यनारायण, रूपनारायण, पुरुषोत्तम, रमेश सहित कई समाज के वरिष्ठ गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

बैठक में विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन तथा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया। साथ ही समाज में एकजुटता, लड़के-लड़की में भेदभाव नहीं करके शिक्षा दिलाने, युवा पीढ़ी को नशे की प्रवृत्ति से दूर रहने, खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित कराने तथा समाज के विकास के लिए अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई।

कुमावत युवा संगठन, मन्दसौर की बैठक सेजपुरिया गाव में सम्पन्न

कुमावत युवा संगठन के मंदसौर तहसील की बैठक ग्राम सेजपुरिया में संपन्न हुई। समाज की तहसील स्तरीय बैठकों का दौर चल रहा है। जिसमे समाज के कई वरिष्ठ जनों का मार्गदर्शन समाजजन को मिला,साथ ही मन्दसौर तहसील कार्यकारिणी का गठन भी हुआ। जिसमें संघटन के वरिष्ठ मार्गदर्शन राजाराम पडियार, नन्दकिशोर परमार (सांसद प्रतिनिधि), रामप्रसाद पटेल जनशिक्षक, जिलाध्यक्ष बिहारीलाल गोयल, महामंत्री भगत राजनगर, मीडिया प्रभारी पवन हिरिया, सचिव नागेश्वर चौहान, उपाध्यक्ष राकेश भड़ावद, दशरथ लसुड़ावन, जगदीश हिरिया, रामरतन गोयल, उपसरपंच किशनलाल,राधेश्याम ओसवाल,रामेश्वर गुजरिया, नन्दराम सरपंच, सुखदेव टांक, आदि ने भाग लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से मन्दसौर तहसील अध्यक्ष सुखदेव कुमावत डोराना व उपाध्यक्ष सुरेश ओसवाल सेजपुरिया और रामप्रसाद भालोट को मनोनीत किया गया।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता के लिए ग्रुप बनाया

स्कूल व्याख्याता **शम्भूलाल कुमावत** की पहल पर 13 साथियों ने मिलकर जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रतियोगिता परीक्षा के लिए आर्थिक मदद ग्रुप बनाया है और वे यह सहायता तब तक जारी रखेंगे जब तक प्रतियोगी की नौकरी नहीं लग जाए। इस ग्रुप में प्रत्येक ग्रुप मेम्बर अपनी आय का एक प्रतिशत हिस्सा देने का निश्चित किया है। प्रथम अभ्यार्थी के रूप में 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत अंक लाकर डीएल एड बीएसटीस कर रही राजी भील का चयन किया। इस योजना को इन्होंने **'वन परसेंट डोनेशन फण्ड'** (OPDF) नाम दिया है। इस ग्रुप में 10 राजकीय शिक्षक, एक पेंटर, एक व्यवसायी और एक पंचायत सहायक सम्मिलित है जो 1 जून से अपनी आय का 1 प्रतिशत सहयोग राशी दे रहे हैं। कोरोना काल में ग्रुप के साथियों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने पर इन सब में सेवा का भाव जगा तथा मित्रों व साथियों से चर्चा करके जरूरतमन्द विद्यार्थियों की मदद करने का निश्चय किया। आपका ग्रुप जिन विद्यार्थियों की मदद करता है उनसे अपेक्षा है कि वो जब नौकरी लगे तो इस ग्रुप से जुड़कर ग्रुप को सहयोग करें जिससे अन्य मेधावी विद्यार्थियों का भला हो सके। श्री शम्भुलाल कुमावत की **इस पहल का 'कुमावत इण्डिया' पत्रिका स्वागत करती** है यदि इस प्रकार की योजनाएं समाज में अन्य समृद्ध लोग चलाएं तो आर्थिक रूप से कमजोर समाज के युवाओं को अवश्य लाभ होगा।

16 फरवरी को सर्वसमाज सामुहिक विवाह सम्मेलन

मानव जनकल्याण सेवा संस्थान 197, एकता नगर-सी, अजमेर रोड, जयपुर के तत्वावधान में बसंत पंचमी 16 फरवरी, 2021 को सर्वसमाज सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसके संयोजक श्री अमरचन्द कुमावत (मो. 869622999) हैं। वर-वधु प्रत्येक के लिए रु. 15000 शुल्क रखा गया है।

भन्दे बालाजी में सामुहिक विवाह सम्मेलन

15 मार्च 2021 को कुमावत समाज धर्मशाला भन्दे बालाजी में 'फुलेरा दोज' को कुमावत समाज का 17वां सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन होगा। जो श्री कुमावत समाज सामूहिक विवाह एवं विकास समिति भन्दे बालाजी के तत्वावधान में होगा। वर-वधु प्रत्येक से रु. 15000 शुल्क लिया जायेगा। समारोह के मुख्य अतिथि श्री निर्मल कुमावत विधायक फुलेरा होंगे।

विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन

अखिल भारतीय क्षत्रिय कुमावत मंच के तत्वावधान में 27 फरवरी 2021 को प्रात: 8 बजे से लक्ष्मी पैराडाइज गार्डन, कालवाड़ रोड, गोकुलपुरा जयपुर में विवाह योग्य युवक-युवति परिचय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। जिसमें पंजीयन 22 फरवरी तक कराया जा सकेगा।

नीमच के पंकज कुमावत को लगा पहला कोरोना टीका

नीमच में जिला अस्पताल के वार्ड बॉय पंकज कुमावत को कोरोना वैक्सीन का पहला टीका लगवाने का गौरव प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा, विधायक दिलीप सिंह परिहार, अनिरुद्ध मारू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अवंतिका जाट, कलेक्टर जितेन्द्र सिंह राजे, पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा इस मौके पर उपस्थित थे। मंत्री श्री सकलेचा ने श्री पंकज कुमावत को पुष्प हार पहनाकर एवं पुस्तक भेंट कर स्वागत किया।

मंदिर में भव्य महाआरती

14 जनवरी मकर संक्रांति के दिन क्षत्रिय मेवाड़ा कुमावत समाज केशरीपुरा, सावेर द्वारा श्री राम मंदिर में भव्य महाआरती का आयोजन किया एवं महाआरती के पश्चात् प्रसाद वितरण किया। इस आयोजन में कुमावत समाज के युवकों का विशेष योगदान रहा। जिनमें मुख्य रूप से प्रमोद सलवड़िया, सुशील धनेरिया, शुभम कुमावत, बंटी डूंगरवाल आदि थे।

उदयपुर में प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

ज्योति शिक्षण सस्थान के विवेकानन्द सभागार में कुमावत समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह-2020 मनाया गया। ''कुमावत समाज की प्रतिभाओं का सम्मान कोविड-19 के सुरक्षा नियमों की पालना के साथ किया गया'' कार्यक्रम की अध्यक्षता जी. एस टांक महापौर उदयपुर, विशिष्ठ अतिथि हरिश पारमवाल, समिति कि ओर से अध्यक्षता नन्दलाल बाबरिया व संयोजक गिरधारी लाल कुमावत थे। सरस्वती वन्दना डॉ. आरती कुमावत ने की। संयोजक गिरधारी लाल कुमावत द्वारा स्वागत, उद्‌बोधन एवं अतिथि परिचय दिया गया।

समिति 1997 से छात्रों का लगातार सम्मान कर रही है समिति का मुख्य उद्देश्य समाज के विद्यार्थियों को शिक्षा व खेलकूद के क्षेत्र में प्रोत्साहन देना, जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सहायता व समाज के वे बन्धु एवं बहिनें जो वर्तमान सत्र में राजकीय सेवा से गौरवमयी सेवानिवृत्त हुए है का सम्मान करना था।

समिति सदस्यों कि ओर से अध्यक्ष जी.एस.टांक सा, उदयपुर महापौर विशिष्ठ अतिथि हरिशचन्द्र पारमवाल का सम्मान तिलक, उपरणा, शॉल व प्रतीक चिन्ह से किया। श्री पारमवाल ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमारे समाज की बालिका शिक्षित होगी तो वह दो परिवारों को शिक्षित करेगी। जिस प्रकार कुमावत समाज बालिका शिक्षा पर समितियों द्वारा जो कार्य कर रही है वह प्रशंसनीय है जिससे बालिका व बालक अपने सपनों को साकार करेंगे। कार्यक्रम में एम.एम. टांक द्वारा लिखित पुस्तिका विमोचन किया गया। **क्षत्रिय कुमावत-मेवाड का इतिहास** पुस्तक का परिचय मदन जी टाँक ने दिया। जिसमें सहयोगी डॉ. राजेन्द्र जी पुरोहित, श्री गिरिश नारायण माथुर व डॉ. के.एस. गुप्ता भी थे। कार्यक्रम अध्यक्ष जी.एस. टांक (महापौर) ने अपने उद्‌बोधन में सकारात्मक सोच व दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ने के लिये समाज कि महिलाओं एवं विद्यार्थियों को प्रेरित किया एवं इस प्रकार के आयोजन हेतु समिति सदस्यों की प्रशंसा की।

सभी प्रतिभाओं को अंशुल स्मृति में श्री जितेन्द्र जी तुनीवाल द्वारा ईनाम (भाप मशीन) भेंट की गई। कक्षा 10वीं व 12वीं के टॉपर्स को श्रीमान् अनन्तराम जी झालवार की ओर से कुल 04 विद्यार्थियों को 2500/- राशि प्रदान की गई।

लुणिया ट्रस्ट कि ओर से कक्षा 10वीं सामाजिक विज्ञान विषय में प्रथम स्थान आने वाले विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह व 1000/-, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह व 500/- की राशि और तृतीय स्थान प्राप्त करने विद्यार्थी को प्रतीक चिन्ह व 250/- राशि का चेक देकर प्रोत्साहित किया। सैकण्डरी सीनियर सैकण्डरी, स्नातक, उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम से 35 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया साथ ही समाज के इस वर्ष सेवानिवृत्त समाजबन्धुओं को शॉल, उपरणा एवं श्रीनाथ जी की तस्वीर से सम्मानित किया गया। क्षत्रिय कुमावत ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को 7-7 हजार रूपये का अनुदान दिया गया। कार्यक्रम में सर्वश्री बी.एल. कुमावत, ओम टांक, डॉ. रजनीश कुमावत, नन्दलाल कुमावत, पन्नालाल कुमावत, कमल कुमावत आदि समाज बन्धुओं की सेवाएं रही। संयोजक ने बताया कि इस हेतु समाजजन का सहयोग प्रशंसनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती कुमावत एवं आभार व धन्यवाद श्री नन्दलाल जी बाबरिया द्वारा अदा किया गया।

-जी.एल कुमावत, संयोजक,
प्रतिभा सम्मान समारोह समिति

रक्तदान शिविर-कुमावत क्षत्रिय नगर नवयुवक मंडल, उदयपुर

दिनांक 17-01-2021 को कुमावत क्षत्रिय नगर नवयुवक मंडल, उदयपुर राजकीय माध्यमिक बालिका विद्यालय, पुलां के प्रांगण में कोविड-19 की पूर्णरूप से पालना करते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

रक्तदान शिविर के मुख्य अथिति श्री गोबिन्द जी टांक, महापौर, नगर निगम उदयपुर एवं श्री युधिष्ठिर जी बबेरिवाल, राष्ट्रीय प्रतिनिधि, महासभा, श्री मदन मोहन जी टांक,अध्यक्ष,संग्रामपुरा, श्री रमेश जी भदानिया,अध्यक्ष, पुला पंचायत, श्री हरीश जी आसीवाल,अध्यक्ष, प्रवासी समिति, श्री नारायण जी अन्यावड़ा, उपाध्यक्ष, तानावती चौकी, धिकली, श्री दयाशंकर जी रावडिया, महामंत्री, द.प. जोन राज. राष्ट्रीय महासभा, श्री युवराज जी नाहर,अध्यक्ष, नगर महासभा,श्री योगेश जी चौरमा,अध्यक्ष एव श्री सुधीर जी पालडीया,महामंत्री, कुमावत विकास संस्थान, समस्त कुमावत संगठनों के पदाधिकारी शिविर में पधारे।

रक्तदान शिविर में 81 यूनिट रक्तदान हुआ। इसी क्रम में शिविर में हमारे कुमावत बन्धु श्री गोपाल जी धनारिया के सौजन्य से शिविर मे काढ़ा वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन नवयुवक मंडल महामंत्री श्री जितेंद्र जी टाँक ने किया। कार्यक्रम के अंत मे शिविर में पधारे सभी रक्तविरों, अथितियों, समाजजनों एवं कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त कर शिविर का समापन किया गया। रक्तदान शिविर में, वीरेंद्र जी गोठवाल, संजय जी बातरा, अर्पित जी बातरा, दिनेश जी झालवार, राजेश जी गोठवाल, प्रमोद जी पालडीया, दिपक जी साडीवाल, राजीव जी टांक आदि कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा। **- महामन्त्री जितेन्द्र टांक**

रामायण की प्रासंगिकता

टूटते पारिवारिक रिश्तों ने भारतीय समाज में कई दुष्परिणामों को जन्म दिया है और परिणास्वरूप कई सामाजिक विसंगतियों ने जन्म ले लिया है जो हमारे लिए चिंता का विषय है। इसमें कोई शक नहीं कि परिवार ही सामाजिक जीवन की रीढ़ है। कुछ बुराईयों को छोड़ा जाए तो यह कहा का सकता है कि हमारे नैतिक मूल्यों का जन्मदाता परिवार ही है और ये मूल्य ही हमें विरासत में मिलते हैं। जहां दादी नानी के प्रेरणास्पद किस्से सुनकर बच्चे बड़े होते हैं उनमें प्यार, सहनशीलता,अपनापन,देखने को मिलता है वहीं एकाकी जीवन यापन करने वाले बच्चों में अक्सर कई सामाजिक बुराईयां घर कर जाती है और आगे जाकर वे बड़े जोखिम में घिर जाते हैं। एक ओर जहां कुछ बच्चे संस्कृत में मंत्रोच्चार करते, धार्मिक संस्कारों का पालन करते,गीता के श्लोकों को कंठस्थ किए जान पड़ते हैं ठीक इसके विपरीत कुछ बच्चे दिशाहीन होकर गलत व्यसन में पड़ जाते हैं। ऐसा भी नहीं है कि यह शत प्रतिशत सही है किन्तु जहां हमारी पारिवारिक पृष्ठभूमि में अपनी संस्कृति का प्रभाव कायम है, बड़ों का आदर है, सद्भाव है वह परिवार आज भी एक सूत्र में बंधा हुआ है। इन सब के मध्य नज़र हम देखें तो रामायण की लोकप्रियता और प्रासंगिकता साक्षात् देखने को मिलती है। सबसे पहले परिवार में महिलाओं पर दृष्टि डालें तो रामायण के चरित्रों में यदि एक स्त्री घर के टुकडे करने पर आमादा है तो भी अन्य स्त्रियों ने अपने घर के प्रति सदभावना बनाए रखने की कोशिश की, होड़ करने से बची रही। रामायण में भाईयों के प्रेम का अनूठा उदाहरण अन्यत्र कहीं देखने को नहीं मिलता जहां केवल समर्पण है। यहां तक की भाइयों की पत्नियों ने भी अपने संस्कारों पर भावनाओं को हावी नहीं होने दिया। राम व सीता के चरित्र में पति-पत्नी के त्याग व समर्पण की एक अलग ही गाथा है जो दिल की गहराई तक छू जाती है। पितृ धर्म के पालन का जो उदाहरण राम ने पेश किया जिन्हें राजा बनाते बनाते पिता ने वलकल धारण कर वन जाने की तैयारी करने को कहा और वे बिना नानुकुर के सहर्ष वन को प्रस्थान कर गए। जब वो घर से निकले तो राजा राम थे और वन से लौटने पर मर्यादा पुरुषोत्तम राम कहलाए। वन में भी उन्होंने गरीब अमीर का छोटे बड़े का भेद नहीं किया। राम ने हमेशा सच्चे और सताये गए लोगों का ही साथ दिया। दलितों के प्यार व विश्वास में कभी कमी नहीं आने दी।

अपने गुरुजन,ऋषियों मुनियों व तपस्वियों का हमेशा आदर व सम्मान किया। अपने से छोटों को हमेशा आदर देकर आत्म विश्वास से ओतप्रोत रखा। उनकी शालीनता,सहृदयता के अनेकों उदाहरण हमें रामायण में मिलते हैं। अपने सब व्यवहार से वो परशुराम जैसे क्रोधी तपस्वियों को भी अपने वश में कर लेते हैं। ओर तो और पाखंडी रावण जैसे पतित राक्षस को भी उन्होंने अपनी सूझ बूझ से समर्पण करने के अनेक मौक़े दिए। लेकिन रावण ने अपनी हटधर्मिता नहीं छोड़ी और आखिर में अपना विनाश स्वयं ही लिख डाला।

राम ने भले ही भगवान् होने के बावजूद इंसान के रूप में अपना चरित्र निभाया जिसकी मिसाल शायद ही दुनिया के किसी महान ग्रंथ में मिलती हो,लेकिन धीरे धीरे शायद हम अपनी इस विरासत को भूलते जा रहे हैं और भौतिक वासनाओं के लालच में अपने विनाश की ओर अग्रसर हो रहे हैं। वैश्वीकरण के दौर में कहीं हम रामायण की प्रासंगिकता को बिल्कुल भुला ही न बैठें और अपने घर परिवार में ही पराए होकर न रह जाएं, हमारी आने वाली पीढ़ियां वक्त के साथ सिर्फ रोजी रोटी कमा लेंगी किन्तु एकअच्छा चरित्र शायद न कमा पाएं। अत: अच्छा होगा की राम मंदिर निर्माण के साथ हम हमारे भावी कर्णधारों के अच्छे व सुदृढ चरित्र का भी निर्माण करें ताकि रामायण जैसे हूबहु ना सही लेकिन उसके करीब तो रह सकें, क्यूंकि अच्छे परिवार से सभ्य समाज और एक सभ्य सुसंस्कृत राष्ट्र की नींव रखी जा सकती है।

तो चलिए आज से ही सही, रामायण के प्रत्येक प्रसंग से जुड़ने के लिए रामायण की प्रासंगिकता को समझे और करें एक मजबूत समाज का निर्माण।

- भारती तोंदवाल

कुरीतियों को त्यागने का संकल्प लिया समाज ने

निम्बाज गांव में कुम्बाजी महाराज के मन्दिर में कुमावत समाज की एक आम सभा रखी दोनों पट्टी (निम्बाज और जैतारण) की संयुक्त बैठक में पूर्व मंत्री सुरेंद्र गोयल की अध्यक्षता में समाज में व्याप्त बुराइयों को जड़ से खत्म करने की घोषणा की।

1- मन्दिर के प्रांगण में बैठ कर भगवान को साक्षी मानकर निम्बाज पट्टी के 27 गांव और जैतारण-बलुन्दा पट्टी के 44 गांव (कुल 71 गांव) के समाज बंधुओं ने मिलकर समाज में व्याप्त मृत्यु भोज प्रथा को बंद करने का संकल्प लिया।

2-साथ ही मृत्यु भोज, शादी समारोह सामाजिक कार्यकर्ता ने अमल(अफीम)को पूर्ण रूप से बन्द करने का संकल्प लिया।

3- इस संकल्प में बाधक बनने वालों के ऊपर सामाजिक प्रशासनिक कार्यवाही करने को कहा गया।

4- इसमें समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी बनी रहेगी मृत्यु भोज के बड़े आयोजन की सरपंच, पटवारी, तहसीलदार, एसडीएम को शिकायत करके उनपर कारवाई करने का संकल्प लिया।

अब मृत्यु भोज कानूनी रूप से निषेध है। आओ, हम सब मिलकर इन सामाजिक बुराई को त्याग कर अनुकरणीय पहल करें।

कोरोना का अन्त प्रारम्भ

टेस्ट, ट्रेस और ट्रीटमेंट मंत्र के बाद कोरोना वैक्सीन आयी

16 जनवरी से टीकाकरण का महाअभियान प्रारम्भ किया प्रधानमंत्री मोदी ने

दुनियाभर में कोरोना का कहर से वर्ष 2020 के शुरुआती महीनों में कोरोना के बढ़ते मामलों ने भयावह स्थिति उत्पन्न की तथा आम जनजीवन को थाम दिया, इस वर्ष अब स्वदेशी कोरोना वैक्सीन की सकारात्मक आशा के साथ उम्मीद बंधी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद इसकी समीक्षा की। इसी सिलसिले में उन्होंने हैदराबाद, अहमदाबाद और पुणे में कोरोना वैक्सीन पर चल रहे शोध कार्यों की वहां जाकर समीक्षा की। राज्यों के मुख्यमंत्रियों से वार्ता की व इसको उत्पादन केन्द्रों से अस्पतालों तक परिवहन का ड्राई ड्राइव देखा परखा एवं वैक्सीन के हवाई परिवहन की व्यवस्था की।

विश्व की 60 फीसदी वैकसीन भारत में ही बनती है,ऐसे में कोरोना महामारी से जूझ रही दुनिया के सामने भारत सबसे बड़ी उम्मीद की किरण है। पूरी दुनिया में इस समय 212 कोरोना वैक्सीन के शोध और परीक्षण का काम चल रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वैक्सीन प्री-क्लीनिकल ट्रायल/वैक्सीन क्लिनिकल ट्रायल/वैकसीन मानव ट्रायल के फेज-3 यानी अंतिम फजे में है। अभी तक सिर्फ 6 वैक्सीन को आपातकाल में लिमिटेड उपयोग की अनुमति दी गई है। भारत में अहदाबाद में जायडस कैडिला, हैदराबाद में भारत बायोटेक और पुणे में सीरम इंस्टीट्यूट में इस पर शोध हुआ है। आत्मनिर्भर भारत 3.0 पैकेज में कोरोना वैक्सीन पर शोध के लिए 900 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया है। 30 नवम्बर को प्रधानमंत्री मोदी ने वैक्सीन के निर्माण और विकास पर काम करने वाली 3 कम्पनियों, जेनोवा बायोफार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड पुणे, बायोलॉजिकल ई लिमिटेड हैदराबाद और डॉ. रेड्डी लेबोरटरीज की टीम के साथ बैठक की। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के बाद सीरम इंस्टीट्यूट के मुखिया अदार पूनावाला ने कहा कि वैक्सीन और इससे संबंधित शोधकार्यों को लेकर प्रधानमंत्री के ज्ञान आश्चर्यजनक था।

कैसे लगेगी वैक्सीन ?

वैक्सीन के लिए पहले रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है, इसके बाद ही वैक्सीन लगने की तारीख समय व बूथ की जानकारी मिलेगी। सत्यापन हेतु फोटो आईडी बतानी होगी कि वैक्सीन सही व्यक्ति को लगे। वैक्सीन लगने के बाद एसएमएस आयेगा व दूसरी डोज के क्यूआर कोड आएगा, जिसे डाउनलोड करने पर वैक्सीन की पूरी जानकारी मिल जाएगी। कोरोना संक्रमित व्यक्ति ठीक होने के 14 दिन बाद वैक्सीन लगवा सकता है।

8 राज्यों के मुख्यमंत्रियों से वैक्सीन वितरण चर्चा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 8 राज्यों हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, केरल, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात और प. बंगाल के मुख्यमंत्रियों के साथ 24 नवम्बर को कोरोना वैक्सीन की आपूर्ति, वितरण और टीकाकरण की योजना पर बात की।

सरकार के पास 28 हजार कोल्ड चेन थी जिसकी क्षमता बढ़ाई गयी। पहले चरण में टीके किन्हें लगाए जाएंगे, कोल्ड स्टोरेज चेन और परिवहन व्यवस्था का एक्शन प्लान राज्यों से मांगा गया।

हर टीके की ट्रेकिंग के लिए डिजीटल प्लेटफार्म तैयार किया गया है जिसका परीक्षण भी किया गया। इसमें टीका कंपनी से निकलने के बाद नागरिकों के लगने तक की ट्रैकिंग डिजिटल करने की व्यवस्था की।

इस बात को सुनिश्चित किया कि हमारे नागरिकों के लिए जो टीके आएं वे अनिवार्य वैज्ञानिक मापदंड पर खरे उतरे। सरकारों को सभी स्तरों पर यह सुनिश्चित करके काम करना होगा कि टीकाकरण अभियान व्यवस्थित और सतत आधार पर चलाया जाए।

भारत की स्वेदशी वैक्सीन को अनुमति

कोवीशल्ड : शुरुआती नतीजों में 90% तक असरदारपाई गई है। भारत के सीरम इंस्टीट्यूट ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका के साथ मिलकर वैकसीन (कोवीशल्ड) बनाई है।

कोवैक्सिन : कोवैक्सिन के फेज-3 ट्रायल करीब 25 जगहों पर हुए। इसे हैदराबाद की भारत बायोटेक ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरलॉजी और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के साथ मिलकर तैयार किया है।

किन्तु अहमदाबाद की कम्पनी जायडस कैडिला हेल्थ्केयर की तीसरी वैक्सीन भी दूसरे फेज में है। कैडिला हेल्थकेयर के वैक्सीन के नतीजे जल्द ही सामने आएंगे। उम्मीद की जा रही है कि अप्रेल-2021 तक यह वैक्सीन भी उपलब्ध हो जाएगी।

पहली डोज जिस वैक्सीन की ली है वहीं डोज दुबारा 14 से 21 दिन बाद लेनी होगी। देश में 3351 वैक्सीन सेन्टर बनाये गये हैं। जहां पर 100 लोगों को टीका लगेगा।

भारत की नोजल वैक्सीन (एक बारीय) को भी सरकार ने मंजूरी दे दी है।

अन्य देशों से मांग

भारतीय वैकसीन की माले, ब्राजील, सऊदी अरब, मोरक्को, म्यांमार, नेपाल, बांगलोदश, दक्षिण अफ्रीका, भूटान आदि देशों द्वारा मांग की गई है।

पहले फेज में 31 करोड़ लोगों का होगा टीकाकरण

प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के. विजयराघवन के मुताबिक डॉ. वी.के. पॉल के नेतृत्व वाली नेशनल वैक्सीन कमेटी ने ब्लूप्रिंट तैयार कर लिया है कि किसे सबसे पहले वैकसीन लगाई जाएगी।

31 करोड़ लोगों की पहचान कर ली गई है, जिन्हें वैक्सीन लगाई जाएगी।

हमारे देश में 1 करोड़ हेल्थ वर्कर्स, राज्यों और केन्द्र सरकार की पुलिस, सशस्त्र जवान, होमगार्ड, 2 करोड, 50 वर्ष से ज्यादा उमग्र के प्राथमिकता वाले समूह के 26 करोड़ सदस्य और 50 वर्ष से कम उमग्र के हाई रिस्क समूह के 1 करोड़ सदस्यों को सबसे पहले वैक्सीन लगाई जाएगी।

बाबू शोभाराम जी कुमावत कठूमरा : 107वाँ जन्मदिन

मत्स्य संघ के प्रथम प्रधानमंत्री, स्वतंत्रता सेनानी, राजस्थान के प्रथम राजस्व मंत्री, अलवर के प्रथम एवं द्वितीय सांसद, अलवर यू.आई.टी. केप्रथम अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्षप्रदेश काँग्रेस कमेटी, पूर्व अध्यक्ष लोकलेखा समिति, पूर्व अध्यक्ष- एपेक्स बैंक तथा पूर्व कृषि, सहकारिता एवं वित्त मंत्री बाबू शोभाराम जी का **जन्म 7 जनवरी 1914** को पिता श्री बुद्धाराम जी तथा माता श्रीमती झूँथा देवी जी के परिवार राजगढ़ (अलवर) में हुआ था। श्री बुद्धाराम जी सरकारी सेवा में 'उस्ता' के पद पर कार्यरत थे। उनकी प्रारंभिक व हाई स्कूल तक शिक्षा , राजगढ़ में हुई तथा इण्टर, राज ऋषि कॉलेज, अलवर से करने के पश्चात् बी. कॉम., एम.ए. (अर्थशास्त्र) तथा एल.एल. बी. की डिग्रियां कानपुर से विशेष योग्यता से उत्तीर्ण करके अलवर लौटे। नेतृत्व के उनके गुण, कॉलेज में रहते हुए ही प्रस्फुटित होने लगे थे। छात्र नेता के रूप में उनकी संगठन क्षमता एवं अपने अभिमत को प्रभावशाली ढंग से रखने का उनका अनोखा तरीका उनकी विशेषता थी। इनका विवाह वृंदावन निवासी श्रीमती राम प्यारी देवी के साथ 1930 में हुआ। इनके पांच पुत्रियां हुई। श्री शोभाराम जी ने पुत्रियों को उच्च शिक्षा दिलाई तथा उनका आदर्श विवाह बिना दहेज़ के किये। श्रीमती रामप्यारीभी स्वतंत्रता सेनानी थीं।

आपने अलवर में वकालत प्रारंभ की। वर्ष 1939 में अलवर नगरपालिका के उपचुनाव में वे कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में विजयी हुए।

8 अगस्त 1942 को महात्मा गाँधी ने भारतीय कांग्रेस कमेटी, बम्बई की बैठक में **'भारत छोड़ों आंदोलन'** की घोषणा की। 9 अगस्त 1942 को महात्मा गाँधी को गिरफ्तार कर पूना के आगा खां महल में कैद कर लिया। 1943 में महात्मा गाँधी द्वारा पूना के आगा खां महल में 10 फरवरी से 3 मार्च तक 21 दिनों की भूख हड़ताल करने की घोषणा की गई। इस घोषणा का बाबू शोभाराम पर गहरा प्रभाव हुआ और वे आठ दिनों के बाद स्वयं भी भूख हड़ताल पर बैठ गए। उनकी भूख हड़ताल 13 दिनों तक चलकर गांधीजी के साथ ही समाप्त हुई। इस घटना से श्री शोभाराम के नैतिक बल की सर्वव्यापी प्रशंसा हुई और वे सर्वप्रिय नेता बन गए। बाबू शोभाराम जी की अनन्य संगठन क्षमता , कर्मठता व अनूठी नेतृत्व क्षमता ने आम जन के बीच उन्हें **'अलवर का गाँधी'** बना दिया।

'मत्स्य संघ' का उदय : भारत के गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के विलीनीकरण नीति के कारण अलवर, भरतपुर,धौलपुर एवं करौली रियासतों के नरेशों ने विलीनीकरण प्रस्ताव को स्वीकार किया एवं एक संघ का निर्माण हुआ जिसका नाम **'मत्स्य संघ'** रखा गया। 18 मार्च 1948 को भरतपुर में तत्कालीन केंद्रीय खनिज एवं विद्युत मंत्री श्री नरहरिविष्णु गाडगिल ने इसका उद्घाटन किया। **अलवर को मत्स्य प्रदेश की राजधानी बनाया तथा बाबू शोभाराम को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया।** 15 मई 1949 को मत्स्य संघ का 'बृहद राजस्थान' में विलय किया गया तथा बाबू शोभाराम को राजस्थान का प्रथम राजस्व मंत्री नियुक्त किया गया।

लोक सभा सदस्य के रूप में : 1952 में प्रथम लोक सभा के चुनाव में बाबू शोभाराम ने कांग्रेस टिकट पर अलवर से विजयी हुए। बाबू शोभाराम के कुशल नेतृत्व की विशेषता के कारण सभी विधान सभा क्षेत्रों में कांग्रेसी उम्मीदवार विजयी रहे। उनकी इस सफलता के फलस्वरूप उन्हें **राजस्थान की राजनीति का चाणक्य** कहा जाने लगा। नवंबर 1956 में अजमेर के राजस्थान में विलय के पश्चात् बाबू शोभाराम को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष चुना गया। 1957 में श्री शोभाराम दूसरे आम चुनाव में भी अलवर क्षेत्र से लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए। सांसद के रूप में अलवर के विकास में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1963 में राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (अपैक्स बैंक) के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। इसके साथ ही वे अलवर के केंद्रीय सहकारी बैंक के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष बने। 1963 से 1964 तक शोभाराम जी अलवर नगर विकास न्यास के प्रथम अध्यक्ष नियुक्त किये

राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य : 1967 में रामगढ़ (अलवर) विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और विजयी हुए तथा सुखाड़िया मंत्रिमंडल में 5 सितम्बर 1967 से 8 जुलाई 1971 तक कृषि व सहकारिता मंत्री रहे। जुलाई 1971 में बरकतुल्लाह खां मुख्य मंत्री बने तथा बाबूजी को वित्त मंत्री बनाया गया। वे 9 जुलाई 1971 से 15 मार्च 1972 तक पद पर रहे। 1972 के विधान सभा चुनाव में वे पुन: रामगढ़ से चुनें गए। 1980 में में कांग्रेस पार्टी के विशेष अनुरोध पर थानागाजी विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और विजयी हुए। इस कार्यकाल में बाबूजी को लोक लेखा समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

महाप्रयाण : 23 मार्च 1984 को बाबू शोभाराम जी को जयपुर में हृदयाघात हुआ और वे अपना नश्वर शरीर को त्याग कर अनंत की यात्रा पर चले गए।

विधान सभा में 23 मार्च 1984 को बाबू शोभाराम जी को मुख्यमंत्री शिव चरण माथुर, भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री भैरोंसिंह शेखावत तथा विधान सभा अध्यक्ष श्री पूनम चंद विश्नोई ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए **बाबू शोभाराम जी को सिद्धांतों व मूल्यों पर अडिंग रहने वाला महान नेता बताया।** हम सब को इस बात का गर्व है कि हमारे में से एक व्यक्ति ऐसा था, जिसने लम्बी उम्र पायी , लम्बे समय तक बड़े बड़े पदों पर कार्य किया और आखिरी समय में वह हमारे बीच में से साफ दामन लेकर गया। जिन उद्देश्यों से वे प्रेरित थे , उन्ही उद्देश्यों से हमको भी प्रेरित रहना चाहिए।

- निर्माता निर्देशक चिरँजी कुमावत,
सोडाला, जयपुर, मो 869666046

सुभाष चन्द्र बोस 125वीं जयन्ती वर्ष

सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को हुआ था। प्राइमरी शिक्षा कटक से पूर्ण की। प्रोटेस्टेण्ट स्कूल से वर्ष 1909 में उन्होंने रेवेनशा कॉलेजियेट स्कूल में दाखिला लिया। कॉलेज के प्रिन्सिपल बेनीमाधव दास के व्यक्तित्व का सुभाष के मन पर अच्छा प्रभाव पड़ा। मात्र पन्द्रह वर्ष की आयु में सुभाष ने विवेकानन्द साहित्य का पूर्ण अध्ययन कर लिया था। 1919 में बीए (ऑनर्स) की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। कलकत्ता विश्वविद्यालय में उनका दूसरा स्थान था।

स्वतन्त्रता संग्राम में प्रवेश और कार्य : रवींद्रनाथ ठाकुर की सलाह के अनुसार इंग्लैण्ड से भारत वापस आने पर वे सर्वप्रथम मुम्बई गये। वहाँ 20 जुलाई 1921 को गाँधी जी और सुभाष के बीच पहली मुलाकात हुई। गाँधी जी ने उन्हें कोलकाता जाकर दासबाबू के साथ काम करने की सलाह दी।

दासबाबू तब असहयोग आन्दोलन का बंगाल में नेतृत्व कर रहे थे। उनके साथ सुभाष इस आन्दोलन में सहभागी हो गये। 1922 में दासबाबू ने कांग्रेस के अन्तर्गत स्वराज पार्टी की स्थापना की। विधानसभा के अन्दर से अंग्रेज़ सरकार का विरोध करने के लिये कोलकाता महापालिका का चुनाव स्वराज पार्टी ने लड़कर जीता और दासबाबू कोलकाता के महापौर बन गये। उन्होंने सुभाष को महापालिका का प्रमुख कार्यकारी अधिकारी बनाया। सुभाष ने अपने कार्यकाल में कोलकाता महापालिका का पूरा ढाँचा और काम करने का तरीका ही बदल डाला। कोलकाता में सभी रास्तों के अंग्रेज़ी नाम बदलकर उन्हें भारतीय नाम दिये गये। स्वतन्त्रता संग्राम में प्राण न्यौछावर करने वालों के परिवारजनों को महापालिका में नौकरी मिलने लगी।

1927 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कोलकाता में सुभाष ने इस आन्दोलन का नेतृत्व किया। 1928 में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में कोलकाता में हुआ। इस अधिवेशन में सुभाष ने खाकी गणवेश धारण करके मोतीलाल नेहरू को सैन्य तरीके से सलामी दी। गाँधी जी उन दिनों पूर्ण स्वराज्य की माँग से सहमत नहीं थे। इस अधिवेशन में उन्होंने अंग्रेज़ सरकार से डोमिनियन स्टेटस माँगने की ठान ली थी। लेकिन सुभाषबाबू और जवाहरलाल नेहरू को पूर्ण स्वराज की माँग से पीछे हटना मंजूर नहीं था। अन्त में यह तय किया गया कि अंग्रेज़ सरकार को डोमिनियन स्टेटस देने के लिये एक साल का वक्त दिया जाये। अगर एक साल में अंग्रेज़ सरकार ने यह माँग पूरी नहीं की तो कांग्रेस पूर्ण स्वराज की माँग करेगी। परन्तु अंग्रेज़ सरकार ने यह माँग पूरी नहीं की। इसलिये 1930 में जब कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में लाहौर में हुआ तब ऐसा तय किया गया कि 26 जनवरी का दिन स्वतन्त्रता दिवस के रूप में मनाया जायेगा।

26 जनवरी 1931 को कोलकाता में राष्ट्र ध्वज फहराकर सुभाष एक विशाल मोर्चे का नेतृत्व किया। पुलिस ने उन पर लाठी चलायी और उन्हें घायल कर जेल भेज दिया। अपने सार्वजनिक जीवन में सुभाष को कुल 11 बार कारावास हुआ।

1930 में सुभाष कारावास में ही थे कि चुनाव में उन्हें कोलकाता का महापौर चुना गया। इसलिए सरकार उन्हें रिहा करने पर मजबूर हो गयी।

हरीपुरा कांग्रेस का अध्यक्ष पद : 1938 में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन हरिपुरा में गान्धी जी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए सुभाष को चुना। इस अधिवेशन में सुभाष का अध्यक्षीय भाषण बहुत ही प्रभावी हुआ। **किसी भी भारतीय राजनीतिक व्यक्ति ने शायद ही इतना प्रभावी भाषण कभी दिया हो।** अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में सुभाष ने योजना आयोग की स्थापना की। जवाहरलाल नेहरू इसके पहले अध्यक्ष बनाये गये। सुभाष ने बंगलौर में मशहूर वैज्ञानिक सर विश्वेश्वरय्या की अध्यक्षता में एक विज्ञान परिषद की स्थापना भी की। इसी दौरान यूरोप में द्वितीय विश्वयुद्ध के बादल छा गए थे। सुभाष चाहते थे कि इंग्लैंड की इस कठिनाई का लाभ उठाकर भारत का स्वतन्त्रता संग्राम अधिक तीव्र किया जाये। उन्होंने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में इस ओर कदम उठाना भी शुरू कर दिया था परन्तु गान्धीजी इससे सहमत नहीं थे।

फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना : 3 मई 1939 को सुभाष ने कांग्रेस के अन्दर ही फॉरवर्ड ब्लॉक के नाम से अपनी पार्टी की स्थापना की। कुछ दिन बाद सुभाष को कांग्रेस से ही निकाल दिया गया। बाद में फॉरवर्ड ब्लॉक अपने आप एक स्वतन्त्र पार्टी बन गयी। द्वितीय विश्वयुद्ध शुरू होने से पहले से ही फॉरवर्ड ब्लॉक ने स्वतन्त्रता संग्राम को और अधिक तीव्र करने के लिये जन जागृति शुरू की।

3 सितम्बर 1939 को मद्रास में सुभाष को ब्रिटेन और जर्मनी में युद्ध छिड़ने की सूचना मिली। उन्होंने घोषणा की कि अब भारत के पास सुनहरा मौका है उसे अपनी मुक्ति के लिये अभियान तेज कर देना चाहिये। 8 सितम्बर 1939 को युद्ध के प्रति पार्टी का रुख तय करने के लिये सुभाष को विशेष आमन्त्रित के रूप में काँग्रेस कार्य समिति में बुलाया गया। उन्होंने अपनी राय के साथ यह संकल्प भी दोहराया कि अगर काँग्रेस यह काम नहीं कर सकती है तो फॉरवर्ड ब्लॉक अपने दम पर ब्रिटिश राज के खिलाफ़ युद्ध शुरू कर देगा।

जर्मनी में प्रवास एवं हिटलर से मुलाकात : बर्लिन में सुभाष सर्वप्रथम रिबेन ट्रोप जैसे जर्मनी के अन्य नेताओं से मिले। उन्होंने जर्मनी में भारतीय स्वतन्त्रता संगठन और आज़ाद हिन्द रेडियो की स्थापना की। इसी दौरान सुभाष नेताजी के नाम से जाने जाने लगे। 29 मई 1942 के दिन, सुभाष जर्मनी के सर्वोच्च नेता एडॉल्फ हिटलर से मिले। लेकिन हिटलर को भारत के विषय में विशेष रुचि नहीं थी।

सुभाष को पता लगा कि हिटलर और जर्मनी से उन्हें कुछ और नहीं मिलने वाला है। इसलिये 8 मार्च 1943 को जर्मनी के कील

बन्दरगाह में वे अपने साथी आबिद हसन सफरानी के साथ एक जर्मन पनडुब्बी में बैठकर पूर्वी एशिया की ओर निकल गये। वह जर्मन पनडुब्बी उन्हें हिन्द महासागर में मैडागास्कर के किनारे तक लेकर गयी। वहाँ वे दोनों समुद्र में तैरकर जापानी पनडुब्बी तक पहुँचे। द्वितीय विश्वयुद्ध के समय किन्हीं दो देशों की नौसेनाओं पनडुब्बियों के द्वारा नागरिकों की यह एकमात्र अदला-बदली हुई थी।

पूर्व एशिया में अभियान : पूर्वी एशिया पहुँचकर सुभाष ने सर्वप्रथम वयोवृद्ध क्रान्तिकारी रासबिहारी बोस से भारतीय स्वतन्त्रता परिषद का नेतृत्व सँभाला। सिंगापुर के एडवर्ड पार्क में रासबिहारी ने स्वेच्छा से स्वतन्त्रता परिषद का नेतृत्व सुभाष को सौंपा था। जापान के प्रधानमन्त्री जनरल हिदेकी तोजो ने नेताजी के व्यक्तित्व से प्रभावित होकर उन्हें सहयोग करने का आश्वासन दिया। कई दिन पश्चात् नेताजी ने जापान की संसद (डायट) के सामने भाषण दिया।

21 अक्टूबर 1943 के दिन नेताजी ने सिंगापुर में आर्जी-हुकूमते-आज़ाद-हिन्द (स्वाधीन भारत की अन्तरिम सरकार) की स्थापना की। वे खुद इस सरकार के राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री और युद्धमन्त्री बने। इस सरकार को कुल नौ देशों ने मान्यता दी। नेताजी, **आज़ाद हिन्द फौज** के प्रधान सेनापति भी बन गये।

आज़ाद हिन्द फौज में जापानी सेना ने अंग्रेजों की फौज से पकड़े हुए भारतीय युद्धबन्दियों को भर्ती किया था। आज़ाद हिन्द फ़ौज में औरतों के लिये **झाँसी की रानी रेजिमेंट** भी बनायी गयी।

पूर्वी एशिया में नेताजी ने अनेक भाषण देकर वहाँ के स्थायी भारतीय लोगों से आज़ाद हिन्द फौज में भर्ती होने और उसे आर्थिक मदद देने का आव्हान किया। उन्होंने अपने आव्हान में यह सन्देश भी दिया-"**तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।**"

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान आज़ाद हिन्द फौज ने जापानी सेना के सहयोग से भारत पर आक्रमण किया। अपनी फौज को प्रेरित करने के लिये नेताजी ने "**दिल्ली चलो**" का नारा दिया। दोनों फौजों ने अंग्रेजों से अंडमान और निकोबार द्वीप जीत लिये। यह द्वीप आर्जी-हुकूमते-आज़ाद-हिन्द के अनुशासन में रहे। नेताजी ने इन द्वीपों को "शहीद द्वीप" और "स्वराज द्वीप" का नया नाम दिया। दोनों फौजों ने मिलकर इंफाल और कोहिमा पर आक्रमण किया। लेकिन बाद में अंग्रेजों का पलड़ा भारी पड़ा और दोनों फौजों को पीछे हटना पड़ा।

जब आज़ाद हिन्द फौज पीछे हट रही थी तब जापानी सेना ने नेताजी के भाग जाने की व्यवस्था की। परन्तु नेताजी ने झाँसी की रानी रेजिमेंट की लड़कियों के साथ सैकड़ों मील चलते रहना पसन्द किया। इस प्रकार नेताजी ने सच्चे नेतृत्व का एक आदर्श प्रस्तुत किया।

6 जुलाई 1944 को आज़ाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के माध्यम से गान्धीजी को सम्बोधित करते हुए नेताजी ने जापान से सहायता लेने का अपना कारण और आर्जी-हुकूमते-आज़ाद-हिन्द तथा आज़ाद हिन्द फौज की स्थापना के उद्देश्य के बारे में बताया। इस भाषण के दौरान नेताजी ने गान्धीजी को **राष्ट्रपिता** कहा तभी गांधीजी ने भी उन्हें **नेताजी** कहा।

आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद करने का नेताजी का प्रयास प्रत्यक्ष रूप में सफल नहीं हो सका किन्तु उसका दूरगामी परिणाम हुआ। सन् 1946 के नौसेना विद्रोह इसका उदाहरण है। नौसेना विद्रोह के बाद ही ब्रिटेन को विश्वास हो गया कि अब भारतीय सेना के बल पर भारत में शासन नहीं किया जा सकता और भारत को स्वतन्त्र करने के अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा।

आजाद हिन्द फौज को छोड़कर विश्व-इतिहास में ऐसा कोई भी दृष्टांत नहीं मिलता जहाँ तीस-पैंतीस हजार युद्धबन्दियों ने संगठित होकर अपने देश की आजादी के लिए ऐसा प्रबल संघर्ष छेड़ा हो।

नेताजी की मृत्यु को लेकर आज भी विवाद है। जापान में प्रतिवर्ष 18 अगस्त को उनका शहीद दिवस धूमधाम से मनाया जाता है वहीं भारत में रहने वाले उनके परिवार के लोगों का आज भी यह मानना है कि सुभाष की मौत 1945 में नहीं हुई, वे उसके बाद रूस में नज़रबन्द थे। आजाद हिंद सरकार के 75 साल पूर्ण होने पर इतिहास मे पहली बार साल 2018 मे नरेंद्र मोदी ने किसी प्रधानमंत्री के रूप में 15 अगस्त के अलावा लाल किले पर तिरंगा फहराया।

हेमचंद खड़गटा 'कल से आज'

'कुमावत प्रगति ट्रस्ट' के संस्थापक, ट्रस्टी, पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी, कर्मवीर श्री हेमचंद खड़गटा द्वारा लिखित 'आत्मकथा' इस नाम से का प्रकाशन शीघ्र ही होगा, जिसका विमोचन फरवरी 2021 के दूसरे सप्ताह में होना प्रस्तावित है। शायद राजस्थान में प्रथम आत्मकथा (पुस्तक) लिखने का गौरव प्राप्त होगा। श्री खड़गटा जी समाज की प्रमुख संस्थाओं के फाउण्डर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री एवं सदस्य रहे हैं। गत लगभग 50 वर्षों में जो इन्होंने देखा उसको लिपिबद्ध किया है। समाज के श्रद्धावन्त, कर्मवीरों व दानदाताओं के बारे में बहुत कुछ लिखा है। लगभग 150 पेज की पुस्तक में 100 से अधिक चित्र प्रकाशित हुए हैं।

लगभग 150 पृष्ठों की पुस्तक के प्रकाशन पर अत्यधिक राशि खर्च होना स्वाभाविक है। जो समाज के दानदाताओं, कर्मवीरों व विज्ञापनदाताओं के सहयोग के बिना असंभव है। विज्ञापनदाताओं, दानदाताओं के परिवार का फोटो प्रकाशित किया जाना प्रस्तावित है। क्योंकि विज्ञापनदाता को तो लोग जान जाते हैं परन्तु उसके पारिवारिक सदस्यों की भी इससे जानकारी होगी।

इस आत्मकथा का प्रकाशक कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट होगा। व्यावसायिक संस्थाओं से इस प्रकाशन को सफल बनाने हेतु कम से कम आधा या चौथाई पेज का विज्ञापन देने की अपेक्षा की है। विज्ञापन हेतु आप ट्रस्ट के अध्यक्ष : 9351682036, सचिव 9461618994, कोषाध्यक्ष : 9413335998 से सम्पर्क कर सकते हैं।

इमरजेंसी की बात करें, तो सत्तर का दशक याद आता है

लेखक : बनज कुमार 'बनज' के विचार

याद आता है इंदिरा-संजय का चेहरा, और कुछ घटनायें जो प्रतीक बन गयी। प्रतीकों के इर्दगिर्द लिपटी हमारी स्मृतियां इन चेहरों और घटनाओं को इमरजेंसी का लब्बोलुआब बना देती हैं। हालांकि इमरजेंसी के असल प्रावधानों, और आम जनता पर असर का ज्ञान कम है। इसे समझने की जरूरत है। संविधान, इमरजेन्सी के दो प्रावधान देता है।

अनुच्छेद 352 जो नागरिक के मूल अधिकार इमरजेंसी पीरियड में निलंबित कर देता है। कानूनों पर संसद का अधिकार निलंबित होता है। सरकार को अध्यादेश के माध्यम से कानूनों के निर्माण और लागू करने की छूट मिल जाती है। राज्यों की सरकारों पर केंद्र सुपरसीड करने लगता है। याने केंद्र राज्य की बराबरी का संघीय ढांचा समाप्त, और राज्य की सरकार केंद्र के मातहत मात्र रह जाते हैं।

देश मे यह इमरजेंसी एक नही, 3 बार लगी है। (हालांकि व्हाट्सप पीढ़ी को सिर्फ एक बार की जानकारी है। तो इस बात पर गूगल करना बनता है। कीजिये) अनुच्छेद 356 याने राज्य सरकारों की बर्खास्तगी भी एक इमरजेंसी प्रावधान है, जो स्थानीय स्तर पर लागू होता है।

तीसरी इमरजेंसी वित्तीय है। जब लगे कि देश का वित्तीय ढांचा फेल हो गया है, तब अनुच्छेद 360 का उपयोग होता है। तब राज्यों की सरकारों के तमाम वित्तीय अधिकार निलंबित कर केंद्रीय सत्ता देश की एक एक चवन्नी अपने हाथ में ले लेती है। वेतन भत्ते पेंशन सब घटा सकती है। खर्चे पेंडिंग कर सकती है, खारिज कर सकती है।

ये कॉन्स्टिट्यूशनल इमरजेंसी है। इसका रास्ता संविधान के निर्माताओं खुद बनाया है। जब देश की सरकार को लगे, कि इसकी जरूरत है, वह इसका इस्तेमाल करे। तो यह कहना कि इमरजेंसी में संविधान को दरकिनार कर दिया गया, गलत स्टेटमेंट है। इंदिरा ने संविधान के भीतर रहते हुए, संविधान द्वारा दी हुई पावर्स का, संविधान प्रदत्त रास्ते से इस्तेमाल किया था। उनके सामने दो प्रिसिडेंट पहले के थे। तो आइए जाने की संविधान को दरकिनार करना किसे कहते हैं। जीएसटी काउंसिल संविधान को दरकिनार करना है। राज्यों के वित्तीय स्रोत, वित्तीय इमरजेंसी के दौरान केंद्र हथिया लेता है, लेकिन एक समय विशेष के लिए। अनुच्छेद 360 लागू करने की घोषणा करके।

जीएसटी काउंसिल की व्यवस्था ने एक स्थायी वित्तीय इमरजेंसी लागू कर दी है। राज्यों का वित्तीय स्रोत केंद्र ने स्थायी रूप से हथिया लिया गया है। एक काउंसिल बना दी, जिसमे केंद्र का वजन जरूरत से ज्यादा है।

अब राज्य पैसों के लिए चीखते रहते है, कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हैं। मगर पैसा वही मिलता है, जितना हुजूर की मर्जी हो। जो वित्तीय कुप्रबंधन और चुनावी पैकेज बांटने के बावजूद बच जाए।

पढ़िये, संविधान की भाषा से तुलना करके देखिये, वित्तीय इमरजेंसी इस देश मे 2017 से लागू है। केंद्र की सरकार पैसे के पहाड़ पर बैठी है, अपनो के बीच मनमर्जी बांटती है। यह अनकांस्टीट्यूशनल फाइनैंशियल इमरजेंसी है। जो आयी है दबे पांव, संविधान में सुरंग खोदकर। जो आपको पता ही न चली।

राज्यों में सूटकेस से सरकार बदलना और केंद्र के एजेंट को सत्ता में बिठाना, 356 के प्रावधान में सुरंग खोदना है। जनमत को दरकिनार कर, बगैर घोषणा किये, जिसका आपको अहसास नही हुआ।

नेशनल इमरजेन्सी 352 का लक्षण मूल अधिकारों का निलंबन है। प्रेस पर सेंसरशिप है। तो देखिये, क्या प्रेस आजाद है। सोशल मीडिया आजाद है? दुनिया की तमाम रेटिंग्स तो हमें प्रेस इंडेक्स में, तानाशाह देशों के बीच रख रही हैं।

इमरजेंसी का बड़ा लक्षण है- संसद को किनारे कर, कानून बनाने की ताकत सरकार को। तो कुछ बरसों से इनइफेक्टिव संसद और सरकारी मनमर्जी के कानून आपने देखे हैं या नही, याद कीजिये। येन केन प्रकारेण से संसद के सत्र खत्म किया जाना भी आपने नोटिस नही किया।

इमरजेंसी नागरिक के मूल अधिकार को रोकती है। नागरिक का सबसे बड़ा मौलिक अधिकार, संवैधानिक उपचार का अधिकार है। याने अधिकार हनन होने पर कोर्ट, या सुप्रीम कोर्ट से सुरक्षा लेना। इमरजेंसी में कोर्ट ऐसा करने में सक्षम नही रह जाती। तो क्या वह आज है? आज तो बाकायदा कानून बनाकर, किसान के कोर्ट जाने की राह बन्द कर दी गयी है।

संजीव भट्ट, कफील, सफूरा.. इंटरनेट बैन, लॉकडाउन, रेलों का बन्द होना, आवागमन पर पहरे। एकतरफा कानून और विरोध को गद्दारी, पाकिस्तानी, अर्बन नक्सल की संज्ञा देना। मध्यप्रदेश में एक कॉमेडियन पर लगे आरोप प्रथमदृष्टया खारिज होने के बाद बीस दिन से जेल में होना। ये लिस्ट बेहद लम्बी है। इसके लिए संविधान के इमरजेंसी प्रावधानों को घोषणा कर लागू नही किया गया। इसकी अनुमति हमारे संविधान निर्माताओं में नही दी। इस व्यवस्था की कोई समय सीमा नही, इससे लड़ने का कोई सेफगार्ड नही। यह चौतरफा इमरजेंसी है। यह मनमौजी इमरजेंसी है। यह असल इमरजेन्सी है। संविधान में सुरंग खोदकर लाई गई, गैरसंवैधानिक इमरजेंसी है।

बरकत नगर जयपुर कुमावत समाज की आमसभा आयोजित

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, टोंक फाटक क्षेत्र, जयपुर की स्थगित की गई साधारण सभा दिनांक 17 जनवरी 2021 को आयोजित की गई। जिसमें समिति की कार्यकारिणी, पदाधिकारी एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित हुए। इसमें समिति की 6 जनवरी 2019 की आम सभा के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन किया गया। वर्ष 2018-19 के अंकेक्षित आय-व्यय, बैलेंस शीट का अनुमोदन कराया गया। वर्ष 2020-21 के अनुमानित आय-व्यय स्वीकृति पर विचार किया गया।

साधारण सभा में मंदिर की पूजा अर्चना हेतु मासिक सहयोग राशि के लिए प्रस्ताव पर अनुमोदित किया। साथ ही निम्न उपस्थित सदस्यों में से निम्न ने प्रतिमाह सेवा राशि की घोषणा की व जनवरी माह की राशि जमा करवाई-

रु. 500 प्रतिमाह देने वाले:- श्री राकेश गैदर श्री राम प्रकाश मारवाल।, रु. 200 प्रति माह देने वाले:-श्री मगन लाल जी राजोरिया श्री बाबूलाल जी ब्याडवाल, श्री आनंद कुमार जी गैदर।, रु.150 प्रतिमाह देने वाले:-श्री सीताराम जी भोड्या।, रु.100 प्रतिमाह देने वाले:-श्री लाल चंद जी राहोरिया श्री विजय जी कारगवाल श्री छोटूराम जी बड़ीवाल, प्रह्लाद जी सोकल रु. 1200/- प्रति वर्ष के, श्री रमेश जी कुंडलवाल, श्रीमती नीतू गैदर श्रीमती रेनू मारवाल, श्रीमती तोषिका तोन्दवाल, श्री जयसिंह जी गुड्डीवाल, ओम प्रकाश जी नेहरा एवं श्री विनय जी देवतवाल।

श्री लाल चंद जी राहोरिया, श्री छोटूराम जी बड़ीवाल, श्री हरीश जी पारमवाल, श्री बाबूलाल जी ब्याडवाल आदि ने अपने विचार रखें। अंत में श्री रामप्रकाश मारवाल, मंत्री समिति ने आगंतुक सभी गणमान्य सदस्यों एवं पदाधिकारियों को पधारने पर धन्यवाद दिया।

विभिन्न वर्गों में चयन/नियुक्ति पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

स्वास्थ्य अधिकारी (CHO)

ममता कुमावत पुत्री श्री संतोष कुमार कुमावत निवासी मंडा रोड कालवाड़

दीपिका कुमावत पुत्री श्री रतन लाल जी कुमावत (सहारा इंडिया बोराज) निवासी ग्राम गुढ़ा बैरसल जयपुर।

सुभाष कुमावत पुत्र रामगोपाल कुमावत गाँव आसलपुर

रामवतार कुमावत पुत्र श्री गोपाल जी कुमावत (जोबनेर) निवासी रेनवाल रोड़ जोबनेर जयपुर।

योगेन्द्रपाल पुत्र श्री धनराज जी कुमावत (वारी) निवासी ग्राम गोमाना छोटीसादडी प्रतापगढ राजस्थान।

गणेश कुमावत पुत्र नंद लाल जी कुमावत निवासी-कल्याण पूरा (देवली)।

लेखराज कुमावत पुत्र श्री रामदास जी कुमावत (गुढा साल्ट) निवासी गुढा साल्ट तहसील-नावा नागौर

विक्रम प्रकाश पुत्र श्री भंवर लाल जी निवासी बीकानेर

मदनलाल पुत्र श्री मालचंद कारगवाल कुचामन सिटी

उमेश कुमार कुमावत पिता प्रेम चंद कुमावत गांव श्यामा की ढाणी सांभर लेक

पप्पूराम कुमावत कांवलिया खुर्द जैतारण पाली

नर्सिंग अधिकारी

करिश्मा कुमावत पुत्री श्री सत्येन्द्र कुमार कुमावत (गुड्डा बैरसल निवासी)

अमित कुमार कुमावत पुत्र श्री त्रिलोक चंद जी कुमावत (बोराज निवासी)

डॉक्टर **कन्नू कुमावत** का चयन चिकित्सा अधिकारी के पद पर हुआ है तथा नियुक्ति देवली, जिला टोंक में हुई है।

व्याख्याता पद पर चयन होने पर बधाई

सारिका वर्मा पुत्री श्री रामजीवन जी वर्मा का चयन स्कूल व्याख्याता फर्स्ट ग्रेड (राजनीति विज्ञान)

श्रीमति रानी देवी गेदर, गाँव खाल, तहसील अनूपगढ़ हिन्दी व्याख्याता

मोहिनी कुमावत पुत्री श्री राम नारायण कुमावत निवासी लोहरवाड़ा बगरु

समाजजनों की उपलब्धियों पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

श्री मुकेश वर्मा को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस का सचिव तथा भीलवाड़ा एवं राजसमन्द का प्रभारी बनाया गया है। आप जयपुर के झोटवाड़ा क्षेत्र के उदयीमान युवा कांग्रेस नेता हैं तथा सर्व समाज के सामाजिक कार्यों में आप बढ़चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

एडवोकेट **सुरेन्द्र कुमावत लाम्बा** कांग्रेस प्रदेश समिति के सदस्य को बांसवाड़ा निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस द्वारा पर्यवेक्षक बनाया गया है। पर्यवेक्षक बनाए जाने पर आपको बहुत बहुत बधाई।

निर्मल ग्राम पंचायत एमड़ी(राजसमन्द) की पूर्व सरपंच महोदया **भाग्यवंती कुमावत** को भारतीय जनता पार्टी मीरा मंडल में महामंत्री बनायी गयी।

सोनिया कुमावत को राजस्थान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में MA चित्रकला में गोल्डमैडल दिया गया।

श्री महेन्द्र कुमावत वार्ड नं. 14, चौमूं से निर्दलीय पार्षद विजयी हुए हैं। आप वर्ष 2005-15 तक कांग्रेस से भी पार्षद रह चुके हैं।

श्री ललित तूनवाल को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव बनाया गया है। आप चूरू से कांग्रेस के नेता हैं। आपको कांग्रेस मुख्यालय जयपुर का प्रभार दिया गया है।

भाजपा विधायक **निर्मल जी कुमावत** फुलेरा को सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। आप फुलेरा से लगातार तीसरी बार विधायक हैं।

श्रीमती लक्ष्मी कुमावत धर्मपत्नी श्री ओम प्रकाश मण्डेला (राजकीय अध्यापिका तृतीय श्रेणी) वर्धमान महावीर विश्व विधालय, कोटा द्वारा MA इतिहास परीक्षा में 80% अंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल लिया।

जूही राज (कुमावत) पुत्री हेमराज मारोठिया निवासी - लाल कोठी योजना जयपुर को राजस्थान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में M.A. में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर गोल्ड मेडल दिया गया।

श्रीमती ममता देवी कुमावत पत्नी श्री राकेश बबेरवाल, वार्ड नं. 15 चौमूं से कांग्रेस के टिकट पर आप पार्षद निर्वाचित हुई हैं।

श्री डूंगर राम गैदर को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा सुजानगढ़ विधानसभा उपचुनाव का प्रभारी बनाया गया है। आपका कार्यक्षेत्र सूरतगढ़ रहा है तथा आप एक वरिष्ठ नेता हैं।

श्रीमती सुमन कुमावत पत्नी किशन चेजारा जी को भाजपा महिला मोर्चा लोसल, सीकर जिला भाजपा उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

14 वें अंतर्राष्ट्रीय कलापर्व राष्ट्रीय कला रत्न पुरस्कार के लिए कुमावत समाज की बिटिया **अंजु कुमावत** का चयन किया गया है जिनको 3 जनवरी को अंतरंग कला एवं एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी,टोंक द्वारा सम्मानित किया गया।

सिंगर मानशी कुमावत अहमदाबाद (गुजरात) को SHAWER AWARDS से सम्मानित किया गया।

डॉ. रामनारायण कुमावत, भ्रूण विज्ञानी(Embryologist) जयपुर को इंटरनेशनल फर्टिलिटी अवार्ड-2020 से सम्मानित किया गया है।

रोहन कुमावत ने राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता जीती

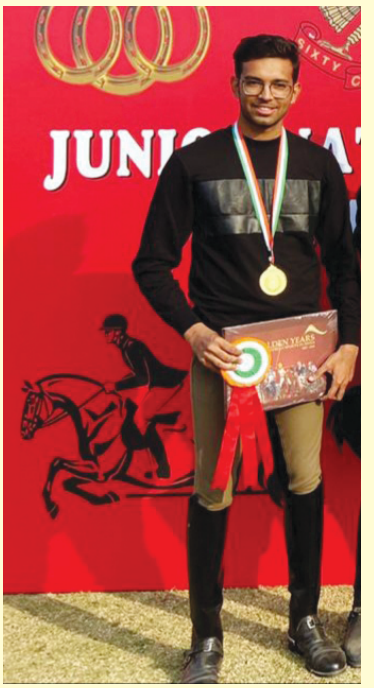

दिल्ली में 21-31 दिसम्बर, 2020 को राष्ट्रीय जूनियर एंड यंग नेशनल इक्वेस्ट्रियन (घुड़सवारी) चैम्पियनशिप के यंग राइडर कैटेगरी में जयपुर के रोहन कुमावत (तोंदवाल) ने एक गोल्ड और एक ब्रोंज मैडल जीतकर परिवार एवं कुमावत समाज का नाम रोशन किया है।

सीमित संसाधनों के बावजूद तथा उधार का घोड़ा लेकर आपने इस चैम्पियनशिप में भाग लिया था तथा तीन करोड़ रुपए के घोड़े को मात देकर गोल्ड मैडल जीता है। इस प्रतियोगिता में 500 से अधिक प्रतिभागियों ने तथा यंग राइडर कैटेगरी में 55 से ज्यादा घुड़सवारों ने हिस्सा लिया था।

आपने वर्ष 2015 में घुड़सवारी की ट्रेनिंग राजस्थान पुलिस एकेडमी से शुरू की थी। इसके पश्चात् ट्रेनिंग के लिये आप काफी लम्बे समय दिल्ली रहे। आपका सम्बन्ध एक मध्यमवर्गीय परिवार से है, सीमित संसाधनों के बावजूद आपने व आपके परिवार ने इच्छाशक्ति के बल पर अपनी ट्रेनिंग जारी रखी तथा इसके पश्चात् ट्रेनिंग के लिए जर्मनी भी गए थे। इस चैम्पियनशिप में आप वर्ष 2016 से भाग ले रहे थे। वर्ष 2018 में आप चौथे स्थान पर रहे। **इस बार जीत में 61वीं केलवरी के मेजर अपूर्व दबाड़े का भी योगदान है जिन्होंने आपको दो दिन पहले घोड़ा उधार दिया था, जो इस चैम्पियषिप के दौरान उनके साथ रहे।** आप जर्मनी से माह जनवरी 2020 में ही लौटे थे तथा उसके पश्चात् कोविड के कारण कोई ट्रेनिंग व प्रैक्टिस नही हो पायी थी तथा चैम्पियनषिप से मात्र 2 दिवस पूर्व आपको प्रैक्टिस के लिए घोड़ा मिला तथा मात्र दो दिन की प्रैक्टिस से ही आपने यह कमाल कर दिखाया है।

आप प्रथम वर्ष आर्ट्स के छात्र हैं। आपके पिता श्री राधेगोविन्द तोंदवाल ट्रेक्टर स्पेयर पार्ट्स के सप्लायार हैं, आपकी माताजी प्रतिभा कुमावत सामान्य गृहिणी है तथा दादा जी श्री फूलचन्द जी तोंदवाल बिल्डिंग कान्ट्रेक्टर रहे हैं। जिन्होंने रोहन के इस जज्बे को पूरा करने के लिए सीमित आर्थिक संसाधन होने के बावजूद आगे बढ़कर सभी प्रकार की मदद की। अगर हौंसला हो तो आसमान भी छूआ जा सकता है। इसे रोहन कुमावत ने साबित कर दिखाया है। '**कुमावत इण्डिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविषय की कामना।

मोनिका कुमावत पोस्टमास्टर के पद पर चयनित

निमेड़ा निवासी सांवरमल कुमावत की पुत्री मोनिका कुमावत ड्रीम टच एकेडमी (डीटीए) दांता की ट्रेनर का चयन भारतीय डाक विभाग में पोस्ट मास्टर के पद पर हुआ है। इस पद पर चयनित होने पर मोनिका को बधाई एवं शुभकामना।

शिक्षक मुकेश कुमावत सम्मानित

शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2020-21 में राज्य स्तर पर सम्मानित होने वाले शिक्षकों में श्री मुकेश कुमावत शारीरिक शिक्षक रा.उ.मा.वि. हलेड़ के सुवाणा, भीलवाड़ा को उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया है। पुरस्कार में शॉल, मोमेंटो इत्यादि दिया जाता है। श्री मुकेश कुमावत को राज्य स्तरीय सम्मान मिलने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई

दीपक कुमावत श्रीमाधोपुर आगार प्रबंधक नियुक्त

राजस्थान पथ परिवहन निगम श्रीमाधोपुर के आगार प्रबंधक के पद पर श्री दीपक कुमावत को पदोन्नती देकर नियुक्त किया गया है। आप श्रीमाधोपुर क्षेत्र के निवासी हैं। श्री दीपक कुमावत के आगमन पर श्री माधोपुर के कुमावत समाज द्वारा हिमगिरी शिवालय मंदिर परिसर में इनका फूल मालाओं से, शॉल ओढ़ाकर एवं साफा पहनाकर स्वागत किया। क्षेत्र के लोगों ने इस अवसर पर उनसे आग्रह किया की रोडवेज की बसों को कस्बे के अन्दर से आने दिया जाए जिससे की क्षेत्र के लोगों को सुविधा रहेगी। श्री कुमावत ने इसका आश्वासन दिया तथा रोडवेज का स्थाई कार्यालय भी सिटी बस स्टैण्ड पर लाने की घोषणा की। आगार प्रबन्धक के पद पर पदोन्नत होने पर श्री दीपक कुमावत को '**कुमावत इण्डिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

टीम चेतन धुंधारिया, जयपुर

द्वारा आयोजित नववर्ष स्नेह मिलन व सम्मान समारोह में कुमावत इंडिया परिवार

प्रदेशाध्यक्ष भाजपा सतीश जी पूनियां का स्वागत करते हुए चेतन धुंधारिया

श्याम प्रताप सिंह जी राठौड़, सरपंच ग्राम जाहोता का स्वागत करते हुए जयसिंह गुडीवाल

दिसम्बर 2020 अंक के साथ हेमचन्द खड़खटा, महेश जलान्धरा, लालचन्द धुंधारिया

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा कुमावत इंडिया परिवार का स्वागत

कार्यक्रम में उपस्थित समाजबंधु

टीम चेतन धुंधारिया अतिथियों के साथ

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा नववर्ष स्नेह मिलन व सम्मान समारोह का आयोजन

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा नववर्ष मिलन व सम्मान समारोह का आयोजन ''रेणु विला'' (होली-डे-होम) रामपुरा, सीकर रोड़ पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय सतीश जी पूनिया भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व विशिष्ट अतिथि माननीय रामलाल जी शर्मा चौंमू विधायक, श्री जितेन्द्र शर्मा जिलाध्यक्ष उत्तरी देहात भाजपा, श्रीमती मधु कुमावत भाजपा प्रदेश मंत्री, श्री विमल कुमावत भाजपा जयपुर शहर उपाध्यक्ष व श्री श्याम प्रताप सिंह राठौड सरपंच ग्राम जाहोता थे। मंच संचालन श्रीमती भारती तोंदवाल व श्री जयसिंह गुडीवाल द्वारा किया गया। श्री पूनिया ने ''रेणु विला'' (होली-डे-होम) का फीता काटकर उद्घाटन कियाा।

इस अवसर पर माननीय सतीश जी पूनिया ने टीम द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि नर सेवा, नारायण सेवा को सर्वोपरि मानते हुए टीम द्वारा जो कार्य लॉकडाउन से अब तक किये गये हैं उससे समाज में एक नई जागृति आई है। श्री पूनिया द्वारा कुमावत समाज की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया, जिन्होंने देश विदेश में समाज का नाम रोशन किया है जिनमें श्री पवन कुमावत गोल्डमेडलिस्ट, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त श्री अमृतलाल सिरोहिया, श्री पृथ्वीराज कुमावत व शिल्पगुरू बाबूलाल मारोठिया व गोपाल जी का माला व श्याम दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया साथ ही कहा कि कुमावत समाज का नाम विश्व विख्यात है।

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा नगर निगम चुनावों में विजय हुए समाज के पार्षद जिनमें श्री राजेश धुंधारिया व राजेश बालोदिया का स्वागत किया गया, साथ ही नगर निगम चुनावों में समाज के पार्षद प्रत्याशियों का भी सम्मान भी किया गया। कुमावत समाज की पत्र-पत्रिकाओं का सम्मान भी टीम द्वारा किया गया। जिनमें दैनिक सलौना राजस्थान समाचार पत्र के सम्पादक श्री सुवालाल कुमावत, जन प्रखर खबर के श्री प्रमोद कुण्डलवाल, कुमावत क्षत्रिय मासिक पत्रिका के अध्यक्ष श्री रामगोपाल जी नीमीवाल, विजय कारगवाल, जयसिंह गुडीवाल व कुमावत इंडिया पत्रिका के हेमचन्द खडगटा, सी.एम. बडीवाल, रामप्रकाश कुमावत, विनोद बालोदिया, चेतन बालोदिया, श्रीमती भारती तोंदवाल, श्री दामोदर लाल जलान्धरा उपायुक्त, जेडीए व समाज रत्न साहित्यकार श्री तुलसीराम जी राजस्थानी का माला व साफा पहनाकर सम्मान किया।

इस अवसर पर अनेक समाजबंधु व भामाशाह जिनमें छोटूराम बडीवाल, हेमचन्द खडगटा, रमेश राणोलिया, कमलेश मारोठिया, नरेन्द्र मारवाल, रूपसिंह कारगवाल, नरेन्द्र गुडीवाल, जयसिंह गुडीवाल, शंकरलाल बालोदिया (वंदना फ्लावर्स), महेश जलान्धरा, विजय कारगवाल, खेमचंद खड़गटा, राधेश्याम खाटूवाल, गिरीश कुमावत भी उपस्थित रहे।

मुकेश वर्मा का स्वागत

मुकेश वर्मा कुमावत को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रदेश सचिव मनोनीत किये जाने पर टीम चेतन धुंधारिया द्वारा साफा व माला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर शुभकामनाएँ दी। चेतन धुंधारिया ने कहा कि मुकेश वर्मा सामाजिक कार्यकर्त्ता, ऊर्जावान व कांग्रेस पार्टी के कर्मठ व वरिष्ठ नेता है। श्री वर्मा को प्रदेश सचिव मनोनीत किये जाने पर कुमावत समाज में खुशी की लहर व्याप्त है।

इस अवसर पर चेतन धुंधारिया, जयसिंह गुडीवाल, नरेन्द्र गुडीवाल, शंकरलाल बालोदिया (वंदना फ्लावर्स), महेश जलान्धरा, विजय कारगवाल, राकेश कुमावत (एडवोकेट), खेमचंद खड़गटा, राधेश्याम खाटूवाल, गिरीश कुमावत, श्रवण कुमावत, राजकुमार उपस्थित थे। **कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से श्री मुकेश वर्मा को प्रदेश कांग्रेस का सचिव बनाए जाने पर बधाई।**

अपना आर्थिक व्यवहार करे : संग कुमावत परिवार

आज हम हमारी सामाजिक आर्थिक स्थिति, सोच और दूरदर्शीता की बात करेंगे। कुमावत समाज एक सुदृढ़ और सम्पन्न समाज में गिना जाता है, क्योंकि हमारी आनुवंशिकी में कला का समावेश है इसलिए हम सदियों से नवनिर्माण और कलात्मक शैली के प्रतीक समाज के रूप में रहे है। हमारे समाज का मुख्य व्यवसाय आजादी पूर्व और लगभग 1990 के दशक तक भवन निर्माण रहा था, परन्तु पिछले 3 दशकों में हमारे समाज ने शिक्षा और व्यापार में भी एक उल्लेखनीय उन्नति की है, जिसमें जयपुर , उदयपुर सहित राजस्थान के हर जिले में हमारे समाज की उपस्थिति दर्ज है। देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई और साड़ियों की नगरी सूरत , दक्षिण में हैदराबाद, मैसूर, बेंगलुरू, चेन्नई, मध्य में इंदौर, उज्जैन, मन्दसौर, नासिक, पुणे, दिल्ली के साथ-साथ दुबई, अमेरिका जैसे देशो में भी हमारे समाज के उद्यमियों ने अपनी मजबूत पहचान बनाई है। हमारे समाज ने शिक्षा के क्षेत्र में, चिकित्सक, अभियंता, आर्किटेचर, इंटीरियर, प्रशासनिक, राजनीतिक, अध्ययन, प्रौधोगिकी, संचार, यातायात व कला-विज्ञान के साथ हर क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की है, जिसके बारे में हम वर्तमान में सामाजिक मीडिया के माध्यम से जानते रहते हैं। 44 लाख की जनसँख्या वाला हमारा समाज देश के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितने की अन्य समाज।

परन्तु क्या हम इस बात को गर्व से कह सकते कि हम सच में अन्य अग्रणी समाजों के समकक्ष खड़े है... ?

क्या हमें सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक सहभागिता और सम्मान अन्य समाजों की तरह मिला है.. ?

हमारा सामाजिक अध्ययन यह कहता है समाज के 99% लोगों ने तो कभी ऐसा सोचा तक नही होगा, 1% बचे हुए लोगों ने कोशिश की या कर रहे है तो साफ और सुदृढ़ दृष्टिकोण के अभाव में एक सीमा के बाद सामाजिक कार्य की तरफ उनकी निष्ठा भी दम तोड़ देती है, और कर्मठ और विवेकशील सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रयास हमारे समाज के अग्रणी वर्ग की उदासीनता और युवाओं के अनुभवहीनता के चलते न के बराबर सफल हो पाते है, जिसके चलते एक उत्साही कार्यकर्ता कुछ समय के संघर्ष के बाद थककर अपने आप को सामाजिक धारा-प्रवाह से अलग - थलग कर लेता है।

हमारी बिखरी हुई सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक शक्ति के अलग-अलग बिन्दुओं को एक साथ जोड़कर एक अविघटित सार्वभौम, सर्वहित-सर्वसुख की माला में पिरोने की एक बार फिर इस लेख के माध्यम से कोशिश है और उम्मीद करते हैं कि हम एक दिन हम सभी एक सूत्र में बंधे नजर आए।

हमारे समाज के 99% लोग अपनी सफलता को साझा करने और अपना योगदान देने के लिए सदैव तत्पर रहते है बशर्ते कि उन्हें सही व पारदर्शक दिशा में जोड़ा जाए। (इस पारदर्शक दिशा का यह कतई मतलब नही है कि हम कोई एक और नई संस्था बनाएं। हम स्वंय यह तय करे कि किसी तरह का आर्थिक व्यवहार अपने ही सामाजिक लोगों के साथ यथासम्भव किया जाए) ।

बस इस तत्परता को जोड़ने के लिए हमें सिर्फ एक साधारण से प्रयोग की आवश्यकता है हम कड़ी से कड़ी एक दुसरे से जुड़ सकते हैं, जिसमें हमारी सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक दूरिया तक आसानी से समाप्त हो सकती है।

हमने अन्य प्रगतिशील और विकसित समाज के आचरण के अध्ययन से जानने की कोशिश की है कि **(1) किसी भी समाज की एकता में उस समाज के वैवाहिक सम्बन्धो का सबसे बड़ा योगदान होता है ,** विवाह मात्र दो लोगो के जीवन का सम्बंध ही नही होता है यह दो परिवारों की आने वाली पीढ़ियों के सृजन सूत्र है और हमें खुशी है कि हमारे समाज ने आधुनिक भारतवर्ष में भी अपनी संस्कृति और सम्मान को बनाये रखा है।

(2) व्यापारिक-आर्थिक सामाजिक प्रतिबद्धता, एक ऐसा अचूक ब्रह्मास्त्र है जिसके उपयोग और प्रयोग से जैन-अग्रवाल , जाट-बिश्नोई ,पटेल और तो और जिन्हें हम अनुसूचित जातियों कहते है उनमें भी इस व्यापारिक-आर्थिक समाजिक प्रतिबद्धता देखी गई है। जिसकी वजह से इन समाजों ने उन्नति की है और देश-विदेश में अपने आप को स्थापित किया है।

अब सवाल यह है कि हम इसे कैसे हमारे आम जीवन में आसानी से उपयोग में ला सकते है.. ?

तो इस नियम में हमारे समाज के लोगो को हर एक सामजिक व्यक्ति से समान रूप से व्यवहार करना होगा, एक दूसरे के प्रति सच्चाई के साथ बिना किसी भी भेदभाव के आत्मीयता का परिचय देना ही इस प्रयोग की सफलता का एकमात्र सूत्र है ।

अब इसे हम कैसे प्रयोग करे और आम जीवन में कैसे अमल में लाये... ? इसका आसान सा उत्तर है कि **आज से अब से हम जो भी आर्थिक व्यवहार और खर्च करते है, वो जहाँ तक हो सके अपने ही समाज के व्यक्ति के साथ करे।** जैसे अगर आपको कोई घर या कार्यालय लेना है या बनवाना है तो अपने ही समाज के भवन निर्माता से ही खरीदे या बनवाये। जो भवन निर्माता है वो अपने समाज के व्यक्ति से न्यूनतम लाभ में ही सन्तुष्ट रहे और गुणवत्ता के साथ निर्दिष्ट सुविधाओं के घर या कार्यालय सुपुर्द करें। भवन निर्माता अपने ही समाज के कारीगरों को अधिकतम काम प्रदान करे, जो सामाजिक कारीगर है वो अपना कार्य और कला में सर्वश्रेष्ठ देने की भरसक कोशिश करे, हम अपने समाज के कारीगर को समभाव व सम्मान प्रदान करे।

जो सामाजिक व्यक्ति किसी भी वस्तु की आपूर्ति करते है वो भी न्यूनतम लाभ के साथ गुणवत्ता वाला उत्पाद प्रदान करे, अगर कोई लाभ मिलने वाले हो समाज बन्धु को उसका लाभ अवश्य दिलाये।

समाज में जो चिकित्सक है उन्हें अपने अध्ययन और सेवा से समाज में स्वास्थ्य के प्रति सजगता फैलाने (कोविड के बाद तो यह एक अतिआवश्यक हो गया है वैसे भी सामान्यत: शुगर, बल्डप्रेशर, मोटापा, स्ट्रेस, हृदय रोग जैसी समस्याएं कम उम्र से फैल रही है) व्यक्तिगत इम्यूनिटी बढ़ाने, खान-पान इत्यादि के बारे में जानकारी प्रदान करे और किसी भी विकट बीमारी में हर सम्भव सहायता करने का प्रयास करे एवं सटीक इलाज करें।

समाज में जो सक्षम संस्थाएं और व्यक्तिगत सफल लोग है उन्हें इस कार्य मे चिकित्सक वर्ग को सहयोग प्रदान करे ताकि वो खुलकर अपना कार्य कर सके।

अगर कोई शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल-कॉलेज इत्यादि का परिचालन कर रहे , तो उन्हें अपनी शैक्षणिक संस्थाओं में अधिक से अधिक अपने ही समाज के योग्य शिक्षक भर्ती करे और समाज के लोग उन्हीं स्कूलों में अपने बच्चों को शिक्षा ग्रहण करवाने का प्रयास करे, ताकि बचपन से ही समाज के बच्चे एक-दूसरे से जुड़े रहे ताकि आने वाली पीढ़ी में एक अविघटित समन्वय स्थापित हो सके, आज के समय मे दूसरी पीढ़ी की एक-दूसरे के प्रति अनिभिज्ञता ही एक सबसे बड़ा कारण है, समाज के युवाओं का असंघटित होने का।

स्कूल अधीक्षकों का यह प्रयास होना चाहिए कि वे कम से कम खर्च में समाज के हर बच्चे को उच्चस्तर तक कि शिक्षा दे, जिसमें समाज के समर्थ लोग आगे आकर स्कूल-कॉलेजो में ऐसी व्यवस्था करे की हर एक बच्चे की योग्यता के अनुसार उनके भविष्य का चयन करने का अवसर उसे मिले, ताकि वो आगे जाकर अपना और समाज का निर्माण कर सके।

जो सामाजिक बन्धु प्रशासनिक सेवाओ में कार्यरत है उन्हें युवा पीढ़ी को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, परीक्षाओं के परिणाम, सही तरह की पुस्तकें और योग्यता के लिए मार्गदर्शन करे, समय-समय पर निकलने वाली विज्ञप्तियों के बारे में अवगत करवाये, और GD & PI के लिए तैयार करें। जहाँ कहीं भी हम रह रहे है वहाँ के समाज बंधुओं परिवारों के युवाओं से साप्ताहिक संवाद का कार्यक्रम शुरू करें जिससे हमारी आपस में कम से कम महीने में 4 बार मुलाकात होगी, सभी के जीवन के पहलुओं और कार्यो का आदान-प्रदान होगा और एक दुसरे के प्रति सहयोग बढ़ेगा।

हम हर महीने में एक पारिवारिक मीटिंग रखे ताकि सभी के परिवार एक साथ मिल सके , इस व्यवस्था में सभी अपना-अपना योगदान दे और कार्य करें ताकि किसी पर भी कोई आर्थिक या समय खर्च का भार न पड़े, और इस सफल प्रयोग के साथ त्रैमासिक सामाजिक पिकनिक रखे जिसमे हम किसी संस्था में जाकर गरीबो की मदद कर सके, उनके साथ आत्मीय समय बिता सके ताकि हमारी देश के प्रति भी जिम्मेदारी पूरी हो सके।

- मुकेश कुमावत (निमिवाल)

महिला सशक्तिकरण

श्रीमती मीनू कुमावत M.A., M.B.Ed.

आपने 12वीं तक राजकीय विद्यालय, सांगानेर में शिक्षा ग्रहण की। तत्पश्चत् ससुराल में पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए प्राइवेट छात्रा के रूप में B.A. किया तथा राजस्थान से M.B.Ed. करने के बाद वर्ष 2010 में आप व्याख्याता चयनित हुईं। आज आप प्रधानायापिका के पद पर दूदू में पदस्थापित हैं। कोरोना महामारी के दौरान हुए लॉकडाउन में आपने भूपाल सागर के जाश्मा में प्रशंसनीय कार्य किया है। जिसके लिए आप सम्मानित की गई।

श्रीमती मीनू कुमावत का संदेश

ईश्वर ने महिलाओं को असीम शक्ति प्रदान की है। अत: सभी महिलाएं अपनी उसी शक्ति को पहचाने और अपनी समुचित शकि के साथ अपना और अपने समाज का विकास करने के लिए तत्पर रहें। सभी महिलाओं को शिक्षा अर्जन करने के लिए हर सम्भव प्रयास करना चाहिए। क्योंकि महिलाओं पर दो परिवारों की जिम्मेदारी होती है इसलिए दो परिवारों को सम्हालने के लिए महिलाओं का शिक्षित होना अति आवश्यक है इसके साथ ही बच्चे की प्रथम गुरु माता को माना जाता है और उस बच्चे का सम्पूर्ण विकास कैसे हो सकता है जिसकी प्रथम गुरु अशिक्षित हो ?

इसके साथ ही महिलाओं को अपनी आर्थिक स्थिति को सबल करने के लिए भी प्रयास करने चाहिए क्योंकि इतिहास इस बात का गवाह है जिस भी वर्ग का आर्थिक पतन हुआ है उसका सामाजिक पतन भी हो गया है। अत: महिलाओं को सामाजिक उत्थान के लिए यह आवश्यक है कि उनका शैक्षणिक एवं आर्थिक उत्थान हो।

जो महिलायें घर पर रहकर घर परिवार की देख रेख करती हैं वह भी अपने मन में नकारात्मक विचार नहीं लायें क्योंकि घर की देखभाल करना इसके विकास के लिए सर्वस्व त्याग देना यह भी बहुत बड़ी बात होती है।

अन्त में यही कहना चाहती हूँ कि सकारात्मक सोच के साथ महिलाओं को हर चुनौतियों का सामना करते हुए अपना एवं मानव समाज के कल्याण के लिए हर सम्भव प्रयास करने चाहिए।

महिला शक्ति हमारे देश की महिलाओं ने पुरुष कार्य क्षेत्रों में अपनी दस्तक देते हुए अनेक कीर्तिमान स्थापित कर उल्लेखनीय कार्य किया है। यह हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। **हमारे समाज की महिला शक्ति भी अब प्रशासन, पुलिस, आईटी, सॉफ्टवेयर, वकालात, न्यायपालिका, व्यापार एवं उद्योग, खेल, योग इत्यादि क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है।** देखे हम हमारे देश की महिला शक्ति की उपलब्धियां-

एयर इण्डिया फ्लाइट- अमेरिका के सेनफ्रांसिसको से भारत के बैंगलुरू तक नॉन स्टॉप फ्लाइट AL-176 लाई गई। महिला पायलेटों कप्तान जोया अग्रवाल कप्तान पापगरी थनमई, कप्तान आकांक्षा सोनवरे और कप्तान शिवानी मन्हास के क्रू ने नोर्थ पोल के ऊपर से उड़ाकर लाई गई जहां से हवाई जहाज उड़ान कठिन होता है। इस प्रकार उन्होंने 16000 किमी की सर्वाधिक दूरी तय करके विश्व कीर्तिमान बनाया। फ्लाइट में सभी 238 सीटें बुक थी। ध्रुवीय मार्ग पर उड़ान भरकर ईंधन खपत की और कार्बन फुटप्रिन्ट पर अंकुश लगाया साथ ही समय की बचत की। यह हमारे देश की नारी शक्ति की ऐतिहासिक उपलब्धि है।

रेलवे-पायलेट से गार्ड तक सभी महिलाएं- देश में रेलवे के इतिहास में पहली बार महाराष्ट्र के पालघर के बसई रोड स्टेशन से माल लेकर गुजराज के वडोदरा 6 घण्टे में पहुँची मालगाड़ी की कमान महिलाओं के हाथ थी। इसे 43 वैगन व 3686 टन माल था। महिलाओं ने यह सिद्ध कर दिया कि कोई भी काम उनकी क्षमता के बाहर नहीं है। कुछ वर्ष पहले उपनगरीय ट्रेन प्रीति कुमारी ने चलायी थी।

बस-जम्मू कश्मीर में 3 बच्चों की माँ पूजा देवी ने बस ड्राइवर बनकर जम्मू से कठूआ तक बस चला कर महिलाओं के लिए मिसाल पेश की है। पूजा गरीब परिवार से है, उसका सपना था कि वह बस या ट्रक ड्राइवर बने। उसने इसके लिए अपने पति को भी मना लिया। लोग तरह-तरह की बातें करते हैं, पूजा का कहना है कि वो इसे अनसुना कर देती है व ड्राइविंग पर फोकस रखती है।

ऑटो रिक्शा-जब बनजीत कौर को अपने गरीब पिता की मदद का कोई रास्ता समझ नहीं आया तो ऑटो रिक्शा चलाना सीखा। इनके पिता स्कूल बस ड्राइवर थे, महामारी में स्कूल बंद होने से नौकरी छूट गई तो वे ऑटोरिक्शा चलाने लगे। किन्तु आमद कम होने से बनजीत कौर भी ऑटोरिक्शा चालकर घर की मदद की एवं पढ़ाई भी जारी रखी। उसका कहना है कि लड़कियों को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

लाईन वुमन-आपने बिजली विभाग के लाईनमैन के बारे में तो सुना होगा जो फाल्ट होने पर खम्बे पर चढ़कर बिजली लाईन ठीक करते हैं। किन्तु तेलंगाना की बाबुरी सिरिशा ने लाईनवुमेन बनकर साबित किया है कि महिलाएं किसी भी काम में पुरुषों से कम नहीं हैं। इस पद के लिए भर्ती निकाली जिसमें महिलाओं के लिए वर्जित लिखा था। सिरिशा ने कुछ महिलाओं के साथ इस बैन पर एतराज जताया व संघर्ष किया। आखिर उसकी जीत हुई व 8 महिला लाईन वुमन को नियुक्ति मिली। अब वे खम्बे पर चढ़कर बिजली का फाल्ट दूर करती हैं।

महिला फाइटर पायलेट : मिग-21 उड़ाने वाली फ्लाइट लेफ्टिनेंअ भावना कांत गणतंत्र दिवस, 2021 की परेड में 'मेक इन इंडिया' थीम पर बनी भारतीय वायुसेना का हिस्सा होंगी। इस झांकी में एलसीए तेजस, लाइट काम्बेट हेलीकॉप्टर, रोहिणी रडार, आकाश मिसाइल और सुखोई 30 के मॉडल को प्रदर्शित किया जाएगा। भावना का कहना है कि वो रफाल और सुखाई इत्यादि फाइटर जेट उड़ाना चाहती है। आप अभी राजस्थान के एक एयरबेस पर तैनात हैं। सशक्ति महिलाओं के नेतृत्व वाले इस न्यू इंडिया पर सभी देशवासियों को गर्व है।

मीनाक्षी कुमावत ने चुना फायरमैन के रूप में चुनौतीपूर्ण कार्य : श्रीमती मीनाक्षी अजमेरा पत्नी श्री राजकुमार कुमावत का जन्म वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता श्री सोहन लाल अजमेरा (सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखाधिकारी पोस्ट व टेलीग्राफ) सांगानेर, जयपुर के परिवार में हुआ। आपने अपनी माता श्रीमती आशा देवी समाज सेवी से प्रेरणा लेकर चुनौतीपूर्ण फायरमैन के कार्य को चुना। इस पद पर प्राय: पुरुष ही नजर आते हैं। आप राजस्थान विश्वविद्यालय से लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर करके अपनी सेवाएं नगर निगम जयपुर में दे रही है। आपने अपने लिए कठिन कार्य की चुना, जैसे नाम से ही विदित है यह कार्य पुरुषों के लिए था। आपने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनी टीम का नेतृत्व करते हुए मानसरोवर सांगानेर क्षेत्र, जयपुर में सेनेटाइजेशन का कार्य बखूबी सम्पन्न किया। इन सेवाओं के लिये अनेक संस्थाओं ने इन्हें सम्मानित किया है।

स्वामी विवेकानन्द : जन्म दिवस 12 जनवरी

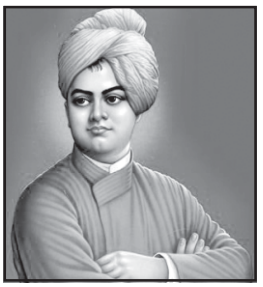

स्वामी विवेकानन्द (जन्म नाम नरेन्द्र नाथ दत्त) का जन्म कलकत्ता के कुलीन बंगाली कायस्थ परिवार में 12 जनवरी, 1863 को हुआ। आपके पिता विश्वनाथ दत्त कलकत्ता हाईकोर्ट के प्रसिद्ध वकील थे एवं माता भुवनेश्वरी देवी धार्मिक विचारों की महिला थी। माता-पिता के धार्मिक व प्रगतिशील विचारों का बालक नरेन्द्रनाथ की सोच पर प्रभाव पड़ा। आप बचपन से कुशाग्र बुद्धि के थे।

आप धर्म, दर्शन, साहित्य, विज्ञान आदि को बड़े उत्साह से पढ़ते थे एवं खेल, व्यायाम व संगीत में रुचि थी। आपने वेद, पुराणों, उपनिषदों, रामायण महाभारत एवं गीता आदि का अध्ययन किया था। साथ ही पाश्चात्य दर्शन, तर्क एवं इतिहास का ज्ञान अर्जित किया। वर्ष 1884 में कला वर्ग से स्नातक की डिग्री ली। महासभा संस्था के प्रिंसीपल विलियम हेस्टी ने लिखा है कि ''नरेन्द्र नाथ वास्तव में जीनियास है, मैंने काफी विस्तृत और बड़े इलाकों की यात्रा की है लेकिन उनकी जैसी प्रतिभा वाला एक भी बालक कहीं नहीं देखा, यहां तक कि जर्मन विश्वविद्यालयों के दार्शनिक छात्रों में भी नहीं।'' अनेक बार उन्हें **श्रुतिधर** (विलक्षण प्रतिभा वाला व्यक्ति) कहा गया।

आप रामकृष्ण परमहंस से प्रभावित थे तथा उन्हें गुरु माना। आपकी गुरु के प्रति अनन्य भक्ति और निष्ठा थी जिसके कारण आप गुरुजी व उनके आदर्शों की उत्तम सेवा कर सके। गुरुदेव के शरीर त्याग के दिनों में गुरुसेवा में सतत संलग्न रहे व भुखप्यास व स्वयं के परिवार की चिंता नहीं की।

आप स्वप्नदृष्टा थे एवं ऐसे समाज की कल्पना की जिसमें धर्म व जाति के आधार पर भेद नहीं हो। 25 वर्ष की आयु में आपने गेरूआ वस्त्र धारण कर लिए थे व पैदल ही भारतवर्ष की यात्रा की। विवेकानन्द ने 31 मई 1893 को 30 वर्ष की आयु में भारत से जापान के शहरों (नागासाकी, कोबे, योकोहामा, ओसाका, क्योओ और टोकियो) की यात्रा की फिर चीन, कनाडा होते हुए अमेरिका के शिकागो पहुँचे। जहां 1893 में **'विश्व धर्म संसद'** का आयोजन हो रहा था। वे वहां भारत का प्रतिनिधित्व करना चाह रहे थे, किन्तु गुलाम व दीनहीन भारत के कारण कुछ लोगों ने प्रयास किया कि विवेकानन्द को बोलने का अवसर नहीं मिले। पर एक अमेरिकन प्रोफेसर के प्रयासों से थोड़ा सा समय मिल पाया। उन्होंने अपने सम्बोधन की शुरुआत इन शब्दों से की, **'मेरे अमेरिकी भाईयों और बहनों'** उन्होंने यह भी कहा कि **'मैं एक ऐसे धर्म का अनुयायी होने में गर्व का अनुभव करता हूँ जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृत, दोनों की शिक्षा दी।'** हम समस्त धर्मों को सच्चा मानकर विश्वास करते हैं। भारत ने अनेक देशों के उत्पीड़ितों व शरणार्थियों को आश्रय दिया है तथा यहूदियों के विशुद्धतम अवशिष्ट को स्थान दिया था। यह सभा, जो अभी तक आयोजित सर्वश्रेष्ठ पवित्र सम्मेलनों में से एक है। स्वत: ही गीता के इस अद्भुत उपदेश का प्रतिपादन एवं जगत के प्रति उसकी घोषणा करती है अर्थात जो कोई मेरी ओर आता है-चाहे किसी प्रकार से हो-मैं उसको प्राप्त होता हूँ।

धर्म परिषद में विवेकानन्द के विचार सुनकर सभी विद्वान चकित हो गये। इसके बाद अमेरिका में उनका बड़ा स्वागत हुआ व अनेक अनुयायी बन गये जिन्हें आपने भारतीय तत्वज्ञान की अद्भुद ज्योति प्रदान की। वहां के मीडिया ने उनके वक्तव्य शैली व ज्ञान को देखकर 'साइक्लॉनिक हिन्दू' नाम दिया।

रोमां रोलां ने उनके बारे में कहा कि, उनके द्वितीय होने की कल्पना करना भी असम्भव है वे जहां गये सर्वप्रथम रहे। वे केवल संत ही नहीं बल्की विचारक, लेखक, मानव-प्रेमी एवं सच्चे देशभक्त थे। विवेकानन्द पुरोहितवाद, धार्मिक आडम्बरों, कठमुल्लापन और रुढ़ियों के सख्त खिलाफ थे। आपने कहा कि विदेशों में भौतिक समृद्धि है, जिसकी हमें जरूरत है पर हमें याचक नहीं बनना है। हमारे पास उससे भी ज्यादा बहुत कुछ है जिसकी पश्चिम को जरूरत है, जिसे हम दे सकते हैं।

विवेकानन्द ऐसी शिक्षा चाहते थे जिससे बालक का सर्वांगीण विकास हो सके तथा वह आत्मनिर्भर बन पाये। जो शिक्षा आमजन को जीवन संघर्ष के लिए तैयार नहीं करती, चरित्र निर्माण नहीं करती, समाज सेवा की भावना जागृत नहीं करती व साहस पैदा नहीं करती। उससे क्या लाभ। अत: वे व्यवहारिक शिक्षा के पक्षधर थे। शिक्षा से मानव की बुद्धि बल बढ़े, व्यक्ति स्वावलम्बी बने व अन्तर्निहित पूर्णता में वृद्धि होनी चाहिए।

बालक-बालिका दोनों को समान शिक्षा मिले। शिक्षा से देश की आर्थिक प्रगति हो। शिक्षा महज किताबी ज्ञान नहीं बल्की मनुष्य निर्माण की प्रक्रिया है। शिक्षा का आश्य यह नहीं कि दिमाग में बहुत सी बातें ठूँस-ठूँस कर भर दी जाये। वे तकनीकी शिक्षा आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक मानते थे। अर्थात् शिक्षा ऐसी हो कि व्यक्तित्व का विकास हो सके। उनका कहना था, **'उठो जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाता।'**

किन्तु 4 जुलाई 1902 को विवेकानन्द ने ध्यानावस्था में ही महासमाधि ले ली। गंगातट पर बेलूर में जहां उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस का अंतिम संस्कार हुआ वहीं विवेकानन्द जी की अंत्येष्टि की गई। उनके शिष्यों व अनुयायियों ने उनकी स्मृति में वहाँ एक मंदिर बनवाया।

स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय सनातन धर्म के तत्वज्ञान की ज्योति को देश विदेश में अमेरिका तक पहुँचा कर भारत का विश्व जगत में गौरव बढ़ाया तथा भारतीयों को शिक्षा का सही पाठ पढ़ाया कि शिक्षा व्यक्तित्व निर्माण करें न किताबी ज्ञान दे। ऐसे स्वामी जी को उनके जन्मदिन पर हम सभी भारतीयों का कोटि कोटि नमन।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत, बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

15 दिसम्बर श्री पार्थ कुमावत पुत्र श्रीपुरुषोतमतोंदवाल, गांधीपथ, जयपुर
17 दिसम्बर श्री त्रिलोक धनारिया, हाथीनाड़ा, कांकरोली,राजसमन्द
23 दिसम्बर श्रीलड्डू गोपाल भोड्या, तारानगर खिरनीफाटक, झोटवाड़ा, जयपुर
24 दिसम्बरश्री दिनेश कुमार पुत्र स्व. श्री भवानीशंकर सिरोहिया, सांगानेर, जयपुर
24 दिसम्बर श्री भंवरलाल वर्मा (सर्थलिया), दुर्गापुरा,ज यपुर
25 दिसम्बर श्री रामसहाय कुदीवाल, लोहरवाड़ा, बगरू, जयपुर
27 दिसम्बर श्रीमती मुन्नी देवी धर्मपत्नी श्री जगदीश प्रसाद नेमीवाल, जयपुर
27 दिसम्बर श्रीमती सरजू देवी धर्मपत्नी स्व. श्री भंवरलाल कुद्दीवाल, जयपुर
27 दिसम्बर श्री रामनारायण पुत्र स्व. सूरतरामगोठवार, झोटवाड़ा, जयपुर
30 दिसम्बर श्री प्रहलाद लाल पुत्र स्व. श्री जगन्नाथ प्रसाद महरावण्डिया, जयपुर
30 दिसम्बर श्री गुरुदयाल पुत्र स्व. श्री गोपीराम खेरानिया, हटवाड़ारोड,ज यपुर
31 दिसम्बर श्री छोटीलाल सुपुत्र स्व. श्री नाथूराम जालवाल, खातीपुरा, जयपुर
2 जनवरी श्री रघुवर दयाल केकटिया पुत्र स्व. श्री फूलचंद, सांगानेर, जयपुर
2 जनवरी श्री नारायण लाल कुण्डवाल, आर्यनगर, मुरलीपुरा,ज यपुर
3 जनवरी श्रीमती प्रभाती देवी धर्मपत्नी श्री मंगल चन्द दम्बीवाल, धोली मण्डी, चौमूं
3 जनवरी श्रीमती दुर्गा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री नारायण रतिवाल, ब्रह्मपुरी, अजमेर
4 जनवरी श्रीमती रामा देवी धर्मपत्नी श्री राधाकिशन घोड़ेला, दुर्गापुरा, जयपुर
4 जनवरी श्री महादेव चोरास्या अध्यक्ष श्री कु.क्ष.कु.स. कल्याण, दहमीकलां
5 जनवरी श्रीमती फूला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री कन्हैयालाल मारवाल, जयपुर
6 जनवरी श्रीमती मांगी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री कल्याण अजमेरा, सांगानेर, जयपुर
10 जनवरी श्री तोलाराम जलांधरा, चौबे कॉलोनी, बस स्टेण्ड, नाथद्वारा
12 जनवरी श्रीमती चम्पादेवी धर्मपत्नी श्री बद्रीप्रसाद घोड़ेला गुर्जर की थड़ी, जयपुर
12 जनवरी श्रीमती चमेली देवी धर्मपत्नी स्व. कल्याण मरेडिया, जयपुर
13 जनवरी श्री जगमोहन घोड़ेला, रींगस, जयपुर
14 जनवरी कु. दिव्या पुत्री सुरेन्द्र जी गुड्डीवाल, सोडाला,ज यपुर
17 जनवरी रामचन्द्र जी मारवाल (प्रधानाचार्य) झोटवाड़ा, जयपुर
18 जनवरी श्रीमती जड़ाव देवी धर्मपत्नी श्री मीलाराम मारवाल, गोविन्दगढ़, जयपुर
18 जनवरी श्रीमती रामस्वरूपी धर्मपत्नी स्व. श्री भंवरलाल बालोदिया, जयपुर
18 जनवरी श्रीमती भंवरी देवी पत्नी स्व. श्री हनुमान सहाय खोराणिया, जयपुर
19 जनवरी कल्याण सहाय जी धुंधारिया नीदड़ जयपुर
19 जनवरी श्रीमती बिरधीदेवी पत्नी श्री मंगल चन्द जी बैरा, जयपुर
19 जनवरी श्री लक्ष्मीनारायण खोवाल पुत्र स्व. श्री नंदराम जी, जयपुर
19 जनवरी श्रीरमेश वर्मा पुत्र स्व. श्री जगदीश नारायण वर्मा, हीरापुरा,ज यपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवतियाँ

शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
M.Sc. in Biotech	Emproglogist	12.6.91	-	नोकवाल	घटेलवाल	मंगावदिया	खनेरिया	9425108631	मंदसौर
M. Com.		21.12.94	5'3''	खनेरिया	कुदाल	माल	कुण्डलवाल	9414450932	बिजयनगर
M.A. (Eng.IT)	Private	12.9.91	5'4''	खड़गटा	सिरसवा	नागा	राजोरिया	9928560006	जयपुर
B.A. LLM (Divoarce)		15.12.86	5'5''	किरोडीवाल	बारावाल	कुसुज़्बीवाल	सिरोहिया	9413748672	जयपुर
B.Tech (IT)	Assitant in LIC	25.6.93	5'4''	पारमवाल	भैरूदिया	घोड़ेला	कुण्डलवाल	9079658613	अजमेर
MA.B.Ed.	Private	16.4.93	5'2''	दादरवाल	मोव्या	दौराया	सुरया	9636747416	जयपुर
B.Sc.	Govt agricul supervisor	20.1.93	5'6''	अदलिया	उदयवाल	अनावडिया	खूखवाल	8107290330	झालावाड़
MCA		14.5.95	5'3''	मारवाल	भैरूदिया	जायलवाल	देवतवाल	9928640501	कुचामन
MBA		01.04.96	5'8''	रावरिया	मंगावदिया	टांक	जाकड़ा	9827793775	मंदसौर
B.Com.		18.5.96	5'3''	सोकल	मरमट	मंगावदिया	धमानिया	9406620207	रतलाम
M.A.	डिजाइनर	22.5.94	5'7''	करोड़ीवाल	नागा	कारगवाल	धमुनीया	9351383277	जयपुर
M.C.A.	Comp.	3.10.92	5'4''	केकट्या	मण्डालिया	वनावडिया	बेरा	9828313182	उदयपुर
BBA, BLIB M.Com	Studying	3.10.94	5'5''	खोरानिया	मारवाल	रेवाड़िया	जालवाल	9460557402	जयपुर
B.Ed.		6.7.94	5'6''	आछीवाल	मामोडिया	बबेरीवाल	कुदीवाल	7062375413	जयपुर
M.A.		22.10.94	5'3''	मामेडिया	शोकल	मरोडिया	धमुनीया	9460245666	जयपुर
BAA-IT	Pvt, job	20.11.85	5'2''	नगरिया	नाहर	अनावड़ा	मोरवार	9887994763	निज़्बेडा

युवक

शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
M.com	RelianceJIO info	20.8.95	5'7''	सिंधड	मंजावरिया	धनेरिया	मडलिया	8094554066	बांसवाड़ा
B.A.	JCB Operator	01.01.91	5'8''	राहोरिया	खारगवाल	छाबल्या	जलान्दरा	7737502441	जयपुर
B.A.	Comp. Software	11.5.91	5'5''	देवतवाल	खोवाल	बोड्या	मारोठिया	8619985470	जयपुर
B.A.	ARP Agriculute	15.7.92	5'2''	भोरोदिया	बेरा	बात्रा	खन्डारिया	9680698403	टोंक
M.Com.	Accountant private	19.7.94	6'0''	बरबूण्डा	अजमेरा	मारवाल	सुरलिया	7737512600	जयपुर
B.Sc.	Export Contractor	7.2.79	5'10''	करोडीवाल	कारगवाल	सरस्वा	दज़्बीवाल	8979671237	सांगानेर
MBA	HDFC Banks Pune	10.9.92	5'8''	बबेरीवाल	अनावडिया	मनीठा	माहोर	9326769471	औरंगाबाद
B.E.	ITProfessionl microds	14.10.91	5'6''	बरेनिया	बरोदिया	सोकल	ओस्तवल	9755306637	मंदसौर
M.Com. C.S. LLB	Advocate Aahemdabad	22.7.92	5'5''	अडानिया	कुण्डलवाल	मोरवाल	बरोदिया	8780855282	गुजरात
MSW(Pla)	Self private	6.5.92	5'8''	काकरवाल	मोरवाल	ज़ण्डारिया	बबेरीवाल	9468712630	उदयपुर
B.A.	Self Employed	15.7.97	5'7''	कुण्डलवाल	राहोरिया	खरकटा	घोड़ेला	9252333930	ज़्यावर
B.Com.	Privatejob 28000pm	4.5.86	5'8''	मारोठिया	खोवाल	सिरोहिया	बबेरीवाल	9672448290	जयपुर
MVA (Divorce)	Private	25.12.85	5'6''	बेरोदिया	कुण्डलवाल	गैदर	राजोरिया	9549659194	जयपुर
M.Com.FAFM	Private	31.10.92	5'7''	कारगवाल	देवतवाल	होदकास्या	राजोरिया	8955845511	जयपुर
MBA,PG(music)	स्वयं की ज्यूजिक कोचिंग	12.4.87	5'9''	अजमेरा	नीमीवाल	भोरोदिया	किरोड़ीवाल	9829447772	जयपुर
B.A.DIF	Pvt Service	16.4.91	5'3''	बालोदिया	जलान्धरा	सिरोहिया	खाटुवाल	9785355464	जयपुर
MBA	PG(music coching class)	12.4.87	5'9''	अजमेरा	नीमीवाल	भौरोदिया	किरोड़ीवाल	9829447772	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. अच्छे रिश्तों के लिए दादी, नानी का गोत्र छोड़ा भी जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए श्री हेमचन्द खड़गटा मो.नं. 9351682036 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

सूचना

तीन वर्षीय सदस्य अक्टूबर-दिसम्बर में क्र.सं. 1 से 288 तक की सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें। सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ कुमावत अवश्य लगाएं। क्योंकि गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।
2. इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत की एक लाईन में श्रद्धांजलियाँ नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है इस हेतु पत्रिका के कार्यालय को सूचित करने का कष्ट करें।

आवश्यक सूचना : पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 23 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत कर हमें सूचित करें। ■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

जयपुर शहर व्यवसाय डाइरेक्ट्री का प्रकाशन शीघ्र

पत्रिका शीघ्र ही समाज की एक बहुउपयोगी **व्यवसाय डाइरेक्ट्री** का प्रकाशन करने जा रही है। यह डाइरेक्ट्री कोरोना महामारी के कारण लेट हो गई है। इसमें जयपुर नगर निगम क्षेत्र के व्यापारियों की दुकानों/संस्थानों/प्रोफेशनल्स का नाम, पता, फोन/मो. नं. आदि का एरिया वाईज प्रकाशन मार्च 2021 में किया जावेगा। इस प्रकाशन के प्रधान सम्पादक श्री हेमचन्द खड़गटा होंगे, समाज के व्यापारियों, उद्योगपतियों, प्रोफेशनल्स एवं सेवाप्रदाताओं से अनुरोध है कि वे अपने संस्थानों का विवरण एवं विज्ञापन श्री खड़गटा को देकर सहयोग करें।

डाइरेक्ट्री हेतु विज्ञापन की दरें निम्न प्रकार हैं :

साईज	दर रुपए	साईज	दर रुपए
विजिटिंग कार्ड	400/-	1/6	800/-
1/4	1000/-	1/2	1800/-
1 पेज (अन्दर)	3000/-	कवर पेज 2	4000/-
कवर पेज 3	5000/-	कवर पेज 4	10000/-

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीयनगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-विशाल कम्प्यूटर महेश नगर फाटक, मो. 9664386269

ब्यावर-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493

दिल्ली-श्रीराधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580

फुलेरा-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास

नोट : अन्य समाज बन्धु स्वेच्छा से यह सेवा देना चाहें तो कार्यालय से सम्पर्क करें।

सूरत में कोरोना योद्धाओं का सम्मान

श्री कुमावत क्षत्रिय विकास संगठन सूरत द्वारा भटार रोड स्थित बैंक्वेट पेटीट पॉइंट हॉल में कोरोना योद्धाओं का सम्मान किया गया है। इस समारोह में अध्यक्ष शुभकरण किरोड़ीवाल, उपाध्यक्ष हेमचन्द घोड़ेला व समस्त कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर भारतीय क्षत्रिय कुमावत महासभा के राष्ट्रीय सदस्य ओमप्रकाशजी बरमुंडा, कोरोना योद्धा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कैलाश घोड़ावत, लक्ष्मण भोबरिया, विनोद, अशोक बालोदिया, शिवरतन भोभरिया, सुनील, रामलाल, प्रभु दयाल, डॉ विकास किरोड़ीवाल, शेतान सिंह राजपूत, इत्यादि को सम्मानित किया गया।

कुमावत समाज मुम्बई का आदिवासी अंचल में कार्यक्रम

श्री कुमावत क्षत्रिय विकास संगठन, मुबई ने 15.01.2021 को आदिवासी अंचल में नि:शुल्क कम्बल 350, तिलहन लड्डू, स्कूली बच्चों को खिलौने एवं कि केट सामग्री इत्यादि का वितरण किया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी व समाज के गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

वैटलिफ्टिंग में जयपुर के खिलाड़ियों ने जीते पदक

पवन कुमावत वेटलिफ्टर के स्टूडेन्ट्स ने कोटपूतली में आयोजित जयपुर पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में पदक जीते। सुरेश कुमावत एवं आशा कुमावत ने गोल्ड मेडल व विजय कुमावत, हेमन्त कुमावत एवं मंयक कुमावत ने सिल्वर मेडल जीता। आदित्य कौशिक एवं अजय सिंह ने कांस्य पदक जीता। विजेताओं को बहुत बहुत बधाईया

श्रद्धांजलि

रिटायर्ड फूड इंस्पेक्टर व अधिवक्ता

श्री मुन्नालाल जी तोंदवाल

(बूंदी निवासी)

(पुत्र स्व. श्री गुलाबचन्द तोंदवाल)

का दिनांक 7 जनवरी, 2021 को असामयिक निधन
हो जाने पर समस्त तोंदवाल परिवार श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

धर्मपत्नी : श्रीमती मनोरमा देवी

भ्राता-भाभी : भवानी शंकर-विद्यादेवी, दामोदर लाल-शांति देवी

पुत्र-पुत्रवधु : रमेश-भारती, संजय-अंजू, संजू-मीनाक्षी, नितिन-रवीना

पौत्र-पौत्रवधु : आभास-कृति

पौत्र-पौत्री : अंकित, चिराग, चिनार, तनिष्क, प्रत्यक्ष व गरिमा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रमेश चन्द कुमावत (गेदर)

(सेवानिवृत्त उपायुक्त राज्य कर)

अध्यक्ष, कुमावत प्रगति ट्रस्ट

E-45AB, लालबहादुर नगर-प, दुर्गापुरा, जयपुर मो. : 9414554322,

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रामप्रकाश कुमावत (मारोठिया)

एडवोकेट, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं ट्रस्टी, कुमावत प्रगति ट्रस्ट

मो. : 9887440666

कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रबुद्ध पाठकों एवं समाज बंधुओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल

श्रीमती राजकुमारी

सुरेन्द्र बाबू घोड़ीवाल

श्रीमती प्रीति

मनीष घोड़ीवाल

श्रीमती शशि

शुभी, शिवी, मनीष, लविन

7/218, मालवीय नगर, जयपुर-302011 मो. 9549656438

श्रद्धांजलि

स्व. 15.01.2008

13वीं पुण्यतिथि

15 जनवरी 2021

स्व. श्री मनोहर सिंह जी कसुम्बीवाल

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत

राजेश कुमार, कमला देवी, त्रिलोक सिंह
विरेन्द्र सिंह, रोहित - गुंजन, दुर्गाबाई, विमला

64, ग्रेटर कैलाश कॉलोनी, एपेक्स माल के पीछे,
लाल कोठी, टोंक रोड़, जयपुर-15
मो. 9828547080, फोन : 0141.2740892

स्व. 14.01.2017

स्व. श्री गोपाल लाल वर्मा (नागा)

चतुर्थ पुण्यतिथि

14 जनवरी, 2021

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : बृजेन्द्र-विजयलक्ष्मी, अरुण-हेमलता, भवानी-मीनाक्षी, सुनील-उर्मिला

पुत्री-पुत्री दामाद : विमल-सतीश, रेणु-महेश जी, अनुराधा

पौत्र-पौत्र वधु : लोमश-मीनाक्षी, पौत्र : मनन,लोकेश, रोहित

पौत्री-पौत्री दामाद : अदिति-कमलेश जी, ऋचा-मयूर जी, रोमा-धीरज जी, आकांक्षा-गौरव जी, पौत्री : मुस्कान

दोहिती-दोहिती दामाद : शिवी-भरत जी, दोहिता : गर्वित, मृगांक

पड़ पौत्र : हिमाक्ष, गितांश (गीत) एवं समस्त नागा परिवार

डी-114ए, शिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर मो. 9983340103, 0141-2709547

तृतीय पुण्यतिथि
17 जनवरी, 2021

श्रद्धांजलि

प्रथम पुण्य तिथि
31 दिसम्बर, 2020

स्व.17 जनवरी, 2018

स्व. श्रीमती लोचन कुमारी

धर्मपत्नी स्व. श्री फूलचन्द वर्मा

स्व. श्री फूलचन्द खड़गटा

31 दिसम्बर, 2019

श्रृद्धान्वत

गीता-धर्मपत्नी स्व. सुरेन्द्र खड़गटा, गजेन्द्र-ममता, देवेन्द्र -अंजना (पुत्र-पुत्रवधु), धीरेन्द्र खड़गटा IAS-प्रियंका, विरेन्द्र-कविता (पौत्र-पौत्रवधु), गौरव, साहिल (पौत्र), आयांश, आशीष (पड़पौत्र)

डी-106, सिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर
मो. : 9352555001, 9314268455, 8952920089

10वीं पुण्यतिथि

27 जनवरी, 2021

स्व.27.01.2011

स्व. श्रीमती नारायणी देवी

धर्मपत्नी स्व. श्री सौभागमल जी

श्रृद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : हेमचन्द-पुष्पा, सतीश-मधु, योगेन्द्र-रेनू पौत्र-पौत्रवधु : मनीष-मनीषा, शैलेन्द्र-पूनम, हिमांक-निकिता, पौत्र : साहिल खड़गटा

पड़ पौत्र : तरुण, हर्षवर्धन

2806, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट (रजि.)

श्रद्धांजलि

स्व. 26.01.2016

पंचम पुण्यतिथि 26 जनवरी, 2021

स्व. श्री रामस्वरुप जी दौराया

कुमावत जनमंगल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत

धर्मपत्नी रूडी देवी , पुत्र- : ओमप्रकाश दोराया (सेवानिवृत मुख्य अभियन्ता), सोहनलाल दोराया, पौत्र : डॉ. लोकेश दोराया, सुमित दोराया, आकाश दोराया, पड़-पौत्र : हेमांक, आर्यन, परम, वीर दोराया, पड़-पौत्री : जानवी

प्लाट नं. सी-327, वैशाली नगर, जयपुर , मो. 9828577234
प्लाट नं ए-23, सैन कॉलोनी, (बडोदिया बस्ती), जयपुर, मो. 9166173418

श्रद्धांजलि

स्व. 18.01.2010

11वीं पुण्यतिथि 18.1.2021

स्व. श्री ताराचन्द राजोरा

(ठेकेदार)

पुत्र स्व. श्री भंवरलाल जी कुमावत

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत

पुत्र पुत्रवधु : हरि शंकर-संतोष, पुत्री -दामाद : वीना-वेदप्रकाश

पौत्र-पौत्रवधु : कुलदीप -रितु

पौत्र : संदीप, राजदीप

पौत्री : आशू , पड़पौत्री : काश्वी , दोहिता : हितेश, नीतेश, दोहिती : गीतिका

आशू मोटर्स आशू होटल काशवी होटल

3 बी, विनायक विहार, दुर्गापुरा डालडा फैक्ट्री रोड,
जयपुर मो. 9829122006, 9680422994

नववर्ष एवं गणतंत्र
की शुभकामना

राजेश कुमावत (धुंधारिया)

पार्षद वार्ड नं. 48
हेरिटेज नगर निगम, जयपुर
एवं व्यवस्थापक मण्डल सदस्य
कुमावत इंडिया पत्रिका
मो. : 9314506330, 9314706330

भन्दे बालाजी की सवामणी (प्रसादी) पर हार्दिक अभिनन्दन

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा

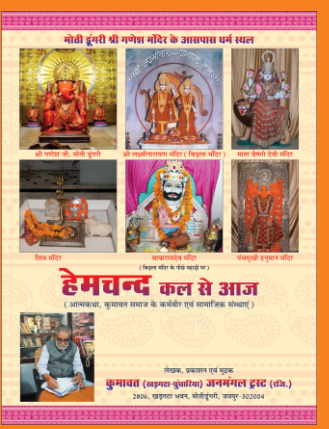

शीघ्र प्रकाशित

कुमावत इंडिया द्वारा

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट

हेमचन्द खड़गटा	कस्तूरमल कुमावत	चेतन कुमावत (धुंधारिया)	लालचन्द धुंधारिया
अध्यक्ष	सचिव	उपाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष

ट्रस्टी : रेखा सिंह बैथाड़िया, निकिता राजोरिया, सतीश खड़गटा, शैलेन्द्र खड़गटा, मोहित धुंधारिया

85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018
रजि. कार्यालय-2806, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

VINOD BALODIA
CHETAN BALODIA

SUNIL BALODIA
RAVI BALODIA

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

Since-1977

Raj Blocks

OFFSET PRINTERS

Nr. Sai Baba Temple, Choura Rasta, Jaipur
Mob: 9829059312, 9829436551
E-mail : rajblocks@yahoo.com

PRESS

B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area,
22 Godown, Jaipur-302019

Ph.: 0141-4022538 • Mob.: 9414052736 . 9928910068
E-mail:rajprintlinejpr@gmail.com • rajblocksjpr@gmail.com

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषित

प्रेषक : हेमचन्द्र कुमावत, प्रकाशक
कुमावत प्रगति ट्रस्ट, म.न. 2806, खड़गटा भवन,
मोती डूंगरी, जयपुर-302004